Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 162 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, रविवार 15 दिसम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म प्राप्ति के लिए हमें धर्म के पास आना होगा, तब ही हम धर्म को समझ सकते हैं।

To attain religion we will have to be in close proximity of religion then alone we can understand what religion is.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

ननकीराम कंवर के पत्र से मचा हड़कंप

रायपुर (आरएनएस)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आगमन के ठीक पहले पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने उन्हें पत्र लिखकर राइस मिलर्स के हड़ताल की तरफ उनका ध्यान आकृष्ट कराया है, और अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए कि ऐसा लगता है कि सरकार किसानों का धान नहीं खरीदना चाहती है। पूर्व गृहमंत्री कंवर ने राइस मिलर्स की बकाया भुगतान कराने, शासन के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के पूर्व गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को शनिवार सुबह दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें तबीयत बिगड़ने के बाद जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गत 2 सप्ताह से उनकी तबीयत नासाज चल रही है। वर्तमान में वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।इससे पहले जुलाई महीने में भी आडवाणी को तबीयत बिगड़ने पर अपोलो अस्पताल में ही भर्ती कराया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में तबीयत बिगड़ने के बाद आडवाणी को न्यूरोलॉजिस्ट डॉ विनीत सूरी की देखरेख में रखा गया था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया मीडिया क्रिकेट लीग का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने कहा- यह आयोजन खेल प्रेमियों और मीडिया के खिलाड़ियों के लिए है एक विशेष अवसर

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर स्थित द्रोणाचार्य स्कूल में 2 दिवसीय मीडिया क्रिकेट लीग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आयोजन खेल प्रेमियों और मीडिया के खिलाड़ियों के लिए एक विशेष अवसर है। मीडिया के साथी अब तक खबरों की दौड़ में आगे निकलने के लिए आपस में प्रतियोगिता करते रहे हैं, लेकिन खेल के मैदान में खेल भावना के साथ आपस में प्रतियोगिता करते हुए देखना रोमांचकारी अनुभव है। उन्होंने इस आयोजन के लिए सभी आयोजकों और प्रेस क्लब के साथियों सहित प्रतिभागी के रूप में शामिल हो रहे मीडिया के सभी साथियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों के मध्य खेल भावना की प्रशंसा करते हुए आयोजन की सराहना की। इस अवसर पर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल ठाकुर, आयोजन समिति से अमित चिमनानी सहित बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लोकसभा में बोले पीएम मोदी- कांग्रेस के माथे से कभी नहीं मिट सकता आपातकाल का पाप

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर बार-बार संविधान की भावना की हत्या करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आपातकाल का पाप देश की सबसे पुरानी पार्टी के माथे से कभी नहीं मिट सकता। उन्होंने कहा कि पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर गांधी परिवार की हर पीढ़ी ने सत्ता में रहते हुए संविधान से छेड़छाड़ किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर सदन में दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आज संविधान के 75 साल पूरे हो रहे हैं, लेकिन अगर हम पीछे मुड़कर देखें तो जब संविधान के 25 साल पूरे हो रहे थे, तब आपातकाल लगाया गया था, संवैधानिक अधिकारों को नकार दिया गया था और देश को एक बड़ी जेल में बदल दिया गया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस के माथे से आपातकाल का पाप कभी नहीं मिट सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब इसी सदन में उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस का जश्न मनाने का सुझाव दिया था तो एक वरिष्ठ सदस्य ने उसकी आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि 26 जनवरी तो है ही।

कांग्रेस, और विशेष रूप से गांधी-नेहरू परिवार पर जबरदस्त हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह किसी का व्यक्तिगत अपमान नहीं करना चाहते लेकिन तथ्यों को देश के सामने रखा जाना चाहिए। कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले 75 साल में से 55 साल इस परिवार ने देश पर राज किया है।

उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान कई राजनीतिक दलों के नेताओं को जेल भेजा गया था लेकिन अब कांग्रेस से हाथ मिलाना उनकी मजबूरी है। आपातकाल के दौरान लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे। हजारों नागरिकों को जेलों में डाल दिया गया, न्यायपालिका को खामोश कर दिया गया और प्रेस की स्वतंत्रता पर ताला लगा दिया गया। इतना ही नहीं प्रतिबद्ध न्यायपालिका की अवधारणा को उनके द्वारा आक्रामक रूप से प्रचारित किया गया। न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना जिन्होंने इंदिरा गांधी के खिलाफ उनके निर्वाचन के मामले में फैसला सुनाया था, उनके क्रोध का निशाना बने। वरिष्ठता के आधार पर उन्हें सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनना चाहिए था, लेकिन जानबूझकर मुख्य न्यायाधीश के पद से वंचित कर दिया गया था। यह संविधान और लोकतंत्र की घोर उपेक्षा थी।

कांग्रेस के शासनकाल की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय प्रधानमंत्री नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था कि अगर संविधान हमारे लिए बाधा बनता है, तो हमें उसमें बदलाव लाना चाहिए। पीएम ने कहा, हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि देश चुप नहीं बैठा। राष्ट्रपति और स्पीकर ने पं. नेहरू को चेतावनी दी और उन्हें रोकने की कोशिश की। लेकिन पं. नेहरू ने अपने संविधान का पालन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को संविधान से छेड़छाड़ करने की आदत पड़ गई और उन्होंने इसे बार-बार दोहराया। छह दशकों में संविधान को 75 बार बदला गया। पहले प्रधानमंत्री ने जो बीज बोया था, उसे इंदिरा गांधी ने आगे बढ़ाया। साल 1971 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अनदेखी करते हुए उन्होंने संविधान में बदलाव करके न्यायपालिका के पर कतर दिए और संसद को पूरी शक्ति दे दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी ने इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए वोट बैंक की राजनीति के लिए संविधान में संशोधन किया और संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन था। परिवार की अगली पीढ़ी भी संविधान से छेड़छाड़ करने में लगी हुई है। कांग्रेस ने हर कदम पर संविधान की अवहेलना की है। उन्होंने कहा कि लोग अनुच्छेद 370 के बारे में जानते हैं, लेकिन धारा 35ए के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। उन्होंने इसे संसद में लाए बिना ही लागू कर दिया।

पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होता है तो वो भारत आते हैं: किरेन रिजिजू

लोकसभा में संविधान पर चर्चा का शनिवार को दूसरा दिन है। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पड़ोसी मुल्कों पर अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। बोले, वो हमारे यहां संरक्षण लेने के लिए आते हैं, क्योंकि वो यहां पर सुरक्षित हैं। संविधान पर चर्चा के दूसरे दिन लोकसभा में रिजिजू ने कहा, हमारे देश का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा ही नहीं बल्कि खूबसूरत संविधान भी है। इसमें सब कुछ है। पिछले कई सालों में मैंने कई संविधानों को जानने की कोशिश की। वहीं, अपने संविधान के प्रावधानों को बारीकी से देखा है इसलिए इसको लेकर हम गौरव महसूस करते हैं। लेकिन कुछ चीजें हैं, जिसको लोगों के सामने दर्शाते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। ऐसा नहीं बोलना चाहिए, जिससे दुनिया के सामने देश की छवि खराब हो।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से

मंत्रियों को देने होंगे 814 प्रश्नों के जवाब

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू हो रहा है। चार बैठकों वाले इस सत्र में कई महत्वपूर्ण काम होने वाले हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज बताया कि इस सत्र में सरकार की तरफ से चार संसोधन विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। इसमें पहला विधेयक विधानसभा सदस्यों के वेतन भत्तों तथा पेंशन को लेकर है। एक विधेयक भू राजस्व संहिता में संसोधन का है। दो विधेयक नगर पालिक और नगर पालिका अधिनयम में संसोधन का है। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दूसरे अनुपूरक बजट को भी पेश किया जाएगा। बता दें कि, चार बैठकों वाले इस सत्र में विधानसभा सदस्यों ने 814 प्रश्न लगाए हैं, जबकि ध्यानाकर्षण के 140 प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय को प्राप्त हुए हैं। इनके अलावा, 12 आशासकीय संकल्प, शून्यकाल की 12 सूचनाएं और 57 याचिकाएं प्रस्तुत की जाएंगी। इस सत्र में दो पूर्व सदस्यों के निधन का भी उल्लेख किया जाएगा। एक सवाल के जवाब में विधानसभा अध्यक्ष विपक्ष को सीख देते हुए कहा कि, विधानसभा सत्र विपक्ष के लिए सबसे बड़ा हथियार होता है।

किसानों के दिल्ली कूच के दौरान फिर चले आंसू गैस के गोले, कई किसान घायल

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंजाब-हरियाणा सीमा पर पिछले 9 महीने से बैठे किसान आज तीसरी बार फिर दिल्ली कूच करने जा रहे हैं।इस दौरान हरियाणा के अंबाला में मोबाइल इंटरनेट पर रोक लगाई गई है। शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे हैं। अब तक 8 किसानों के घायल होने की खबर है।बता दें इससे पहले किसान 2 बार दिल्ली कूच का प्रयास कर चुके हैं।

किसान सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं। स्वामीनाथन आयोग के हिसाब से फसलों की कीमत तय हो।कर्ज माफी हो, किसानों को पेंशन मिले और खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।लखीमपुर खीरी मामले के दोषियों को सजा मिले।पिछले किसान आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा और सराकरी नौकरी मिले और किसानों के खिलाफ मुकदमे वापस हों।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा, संसद में संविधान, अडाणी, बेरोजगारी हर मुद्दे पर बात हो रही हैं, लेकिन किसानों पर बात नहीं हो रही।हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा, सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा है और कुछ समय मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि किसानों को अपना विरोध प्रदर्शन कुछ समय के लिए टाल देना चाहिए। मेरी राय है कि किसानों को कोर्ट की बात सुननी चाहिए।

खनौरी बॉर्डर पर अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक है।डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें कभी भी दिल का दौरा पड़ सकता है या किडनी फेल हो सकती है। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना बहुत जरूरी है। डॉक्टरों ने बताया कि डल्लेवाल के शरीर में मैगनिशियम, पोटाशियम और कैल्शियम की कमी हो गई है। डल्लेवाल को संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ गया है। डॉक्टरों ने कहा कि डल्लेवाल को जल्द इलाज की जरूरत है। 6 दिसंबर को भी शंभू बॉर्डर से किसानों ने दिल्ली कूच शुरू किया था। किसानों ने बैरिकेडिंग और नुकीले तार उखाड़ दिए थे।

संभल में मिला 46 साल से बंद मंदिर

भगवान हनुमान की प्रतिमा और शिवलिंग मिला

संभल (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद सरकार कानून व?यवस?था को लेकर सख?त है।इसी बीच खग्गुसराय के मुस्लिम बहुल इलाके में 46 साल से बंद मंदिर का पता चला है। प्रशासन ने मंदिर को खोला तो उसमें भगवान हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की प्रतिमा मिली हैं।अब प्रशासन ने मंदिर पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है और अतिक्रमियों पर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि यह मंदिर रस्तोगी परिवार के कुलगुरु है। मंदिर के पास कुंआ और पीपल का पेड़ भी था। पेड़ को लोगों ने काट दिया, जबकि कुएं को खुलवाने का काम जारी है।उन्होंने बताया कि 1978 में हिंदू-मुस्लिम दंगों के बाद हिंदुओं ने इस इलाके को छोड़ दिया था। उसके बाद से ही इस मंदिर को बंद कर उस पर कब्जा कर लिया गया था। अब इसे फिर से खोला गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुबह जब बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था, तो इस जगह टीम पहुंची थी। यहां कई घरों और मस्जिदों में बिजली चोरी होना पाया गया। जांच के दौरान ही यह मंदिर मिल गया। इसकी सूचना जिलाधिकारी को दी गई।

राहुल गांधी ने संसद में सरकार पर जमकर साधा निशाना

जैसे एकलव्य का अंगूठा कटा, उसी तरह देश के युवाओं का अंगूठा काट रही सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को लोकसभा में सरकार पर हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि जिस प्रकार एकलव्य का अंगूठा काटा गया उसी तरह से सरकार आज देश के युवाओं का अंगूठा काट रही है.

राहुल गांधी ने संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान कहा कि जब आप एक उद्योगपति को धारावी परियोजना देते हो, बंदरगाह और एयरपोर्ट को देते हैं तो आप देश का अंगूठा काटते हैं. उन्होंने दावा किया कि विनायक दामोदर सावरकर ने संविधान को लेकर कहा था कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सत्तापक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब आप संविधान की रक्षा करने की बात करते हैं तो आप सावरकर को अपमानित करते हैं. कांग्रेस नेता ने कहा कि सावरकर, जिन्हें भाजपा और आरएसएस के विचारक के रूप में देखा जाता है, ने कहा था कि संविधान में कुछ भी भारतीय नहीं है, और उन्होंने हिंदू धार्मिक ग्रंथ मनुस्मृति को इसके बजाय प्राथमिकता दी. राहुल गांधी ने कहा, संविधान आधुनिक भारत का एक दस्तावेज है, लेकिन इसे प्राचीन भारत और उसके विचारों के बिना कभी नहीं लिखा जा सकता था.

राहुल गांधी ने कहा, हम देश में जाति जनगणना कराएंगे. उन्होंने कहा कि इसके जरिए दिखाना चाहते हैं कि आपने किस किसका अंगूठा काटा है. आरक्षण की सीमा की 50 प्रतिशत की दीवार भी हम ही गिराएंगे.

सैंड आर्ट के माध्यम से दिखी विष्णु सरकार के सुशासन और विकास की झलक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज में आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित सैंड आर्टिस्ट श्री सुदर्शन पटनायक ने अपनी कला के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन और विकास को अभिव्यक्त किया। उन्होंने रेत की अद्भुत कृति तैयार कर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों को दर्शाया। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित मंत्रीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सुदर्शन पटनायक ने अपनी कला से सबका ध्यान आकर्षित किया। उनकी रेत की अद्भुत कृति ने सभी का मन मोह लिया। इस कृति में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन और विकास की झलक दिखाई दी। उन्होने सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय प्रगति की है। श्री पटनायक ने सैंड आर्ट के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की प्रधानमंत्री आवास, लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन बहाली, कृषक उन्नति योजना, एक पेड़ मां के नाम, न्यौता भोज, महतारी वंदन, तेंदूपत्ता संग्राहकों की पारिश्रमिक वृद्धि, राजिम कुंभ, राम लला दर्शन योजना, नई औद्योगिक नीति, संवर रहा छत्तीसगढ़ और सुशासन का एक साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल को बड़े ही कलात्मक ढंग से उकेरा है। सुदर्शन पटनायक की इस कला ने जनता को न केवल छत्तीसगढ़ में एक वर्ष में हुए विकास का अहसास कराया बल्कि सुशासन की छवि को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत भी किया।

85 संदिग्ध गिरफ्तार, बांग्लादेश होने की आशंका

भिलाई-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में छिपकर रह रहे बांग्लादेशियों को लेकर प्रदेश सरकार एक्शन मोड में है। प्रदेश के अलग-अलग ?जिलों की फैक्ट्रियों और ठिकानों पर पुलिस की टीम दबिश देकर बाग्लादेशी नागरिकों की तलाश कर रही है। इसी बीच खबर आ रही हे कि भिलाई के 4 अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 85 संदिग्धों की पहचान की गई है। फ्लिहाल पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। बता दें कि हाल ही में गृह मंत्री विजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया था कि 800 से अधिक बांग्लादेशियों को बाहर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार बांग्लादेशी नागरिकों की तलाशी अभियान के दौरान मिले 85 संदिग्धों को पुलिस ने संदेह के आधार पर नोटिस दिया है। बताया जा रहा है कि ये सभी फैक्ट्री में या आस-पास काम करते हैं। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री संचालकों को भी नोटिस जारी किया जा सकता है।

डबल इंजन की सरकार में रेल नेटवर्क को मिल रही मजबूती

बस्तर और सरगुजा के सुदूर वनांचलों में भी बिछ रही नई रेल लाइनें, यात्री और माल परिवहन की व्यवस्थाएं हो रही सुदृढ़

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की डबल इंजन की सरकार में रेल नेटवर्क का लगातार विस्तार हो रहा है। यहां नई रेल लाइन बिछाने की कई परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मजबूत हो रहे रेल नेटवर्क से आने वाले समय में न केवल माल परिवहन की सुविधाओं में इजाफा होगा, बल्कि यहां के लोगों को राज्य के भीतर और राज्य के बाहर भी सुविधाजनक यात्रा के कई नए विकल्प मिलेंगे। राज्य में रेल नेटवर्क के विस्तार से औद्योगिक और अधोसंरचना विकास को भी नई गति मिलेगी।

छत्तीसगढ़ सरकार और रेल मंत्रालय के बेहतर समन्वय से राज्य में नई रेल लाइनों के काम द्रुत गति से चल रहे हैं। रावघाट रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ तक नई बिछी 77 किलोमीटर लाइन पर यात्री ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। इस रेल लाइन के दोनों ओर बसे हजारों ग्रामीण अब अपने गांव से ही ट्रेन में बैठकर रोज दल्लीराजहरा, दुर्ग, भिलाई और रायपुर तक किफायती सफर कर रहे हैं। इस रेल लाइन को रावघाट तक बढ़ाने के लिए तुमापाल (ताहोकी) से कोसरोण्डा तक पांच पुल-पुलियों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। रेल पटरी बिछाने का कार्य भी प्रगति पर है। कोसरोण्डा से फुलपाड़ एवं फुलपाड़ से रावघाट तक अर्थ वर्क के साथ 21 पुल-पुलियों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। साथ ही 27 पुल-पुलियों का काम प्रगति पर है। सरगीपाल के पास रेलवे स्टेशन के भवन, प्लेटफॉर्म और आवासीय भवन का कार्य भी प्रगति पर है। रावघाट के भिलाई से रेल मार्ग से जुड़ जाने से भिलाई इस्पात संयंत्र को बड़े पैमाने पर लौह अयस्क की आपूर्ति हो सकेगी। साथ ही इस सुदूर क्षेत्र के लोगों को यातायात का एक सर्वसुलभ और किफायती साधन भी उपलब्ध होगा।

बस्तर में के.के. (कोत्तावलसा से किरंदुल) रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना का काम भी तेजी से चल रहा है। इस 446 किलोमीटर लंबे रेल लाइन का 170 किलोमीटर हिस्सा छत्तीसगढ़ में है। बस्तर जिले में इसकी लंबाई 92 किलोमीटर और दंतेवाड़ा जिले में 78 किलोमीटर है। छत्तीसगढ़ में इस रेल लाइन के 148 किलोमीटर में दोहरीकरण का काम पूर्ण हो गया है, जिनमें बस्तर जिले में आने वाला 92 किलोमीटर और दंतेवाड़ा जिले का 56 किलोमीटर रेल लाइन शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय प्रदेश की आर्थिक तरक्की के लिए रेल परिवहन के समुचित उपयोग पर जोर दे रहे हैं। भारत सरकार के सहयोग से राज्य में कई रेल परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहे हैं। साथ ही कई परियोजनाओं के विस्तार की तैयारी है। 295 किलोमीटर लंबी और 4021 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली डोंगरगढ़-कवर्धा-कटघोरा रेल लाइन परियोजना की मंजूरी रेल मंत्रालय से मिल चुकी है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण और प्रारंभिक निर्माण कार्यों के लिए अभी 300 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार

रायपुर, रविवार 15 दिसम्बर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

एनआईटी में नैनो टेक्नोलॉजी एंड एनवायरनमेंट विषय पर आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विकसित भारत मिशन के अंतर्गत नैनो टेक्नोलॉजी एंड एनवायरनमेंट (एनसीएनई - 2024) पर द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन 13 और 14 दिसंबर 2024 को आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के समापन समारोह में प्रोफ़ेसर, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, और इस कार्यशाला की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) ए. बी. सोनी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की। मुख्य अतिथि के रूप में टस्केगी विश्वविद्यालय, एएल के प्रोफेसर डॉ. विजय रंगारी, और आयोजन सचिवों के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित केशव, डॉ. धर्मपाल एवं डॉ. आर. मणिकन्नन उपस्थित रहे। समापन समारोह में विभाग के विभिन्न फ़ैकल्टी सदस्य, शोधार्थी, छात्र एवं प्रतिभागी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक डिपार्टमेंट ऑ? साइंस एंड टेक्नोलॉजी - अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, तथा सह-प्रायोजक छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् रहे।

समापन समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से हुई, जिसके बाद डॉ. अमित केशव ने नैनोप्रौद्योगिकी और पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे संस्करण में आने एवं इसे सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि ऐसे सम्मेलन प्रतिभागियों को समृद्ध अनुभव प्रदान करते हैं और नेटवर्किंग के अनमोल अवसर देते हैं। नैनोप्रौद्योगिकी की व्यापक संभावनाओं पर

प्रकाश डालते हुए, उन्होंने इसके लाभों व संभावित चुनौतियों को समझने के महत्व पर चर्चा की। इसके डॉ. ए. बी. सोनी ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम न केवल प्रतिभागियों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं बल्कि विचारों के आदान-प्रदान का बेहतरीन मंच भी प्रदान करते हैं। उन्होंने इस सम्मेलन को को भविष्य में भी जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. सोनी ने प्रतिभागियों, विभाग व निर्णायकों के मध्य संपर्क बनाए रखने एवं नये और इनोवेटिव आइडिया को साझा करते रहने की सलाह दी।

डॉ. विजय के. रंगारी ने अपने संबोधन में आयोजकों को धन्यवाद देते हुए इसे नेटवर्किंग और विचार-विमर्श के लिए एक बेहतरीन मंच बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे अलग-अलग सुझावों को फीडबैक की तरह लें तथा अपने करियर में आगे बढ़ते रहें। इसके बाद सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। साथ ही दो दिन में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन संस्करण में हुए पांचों सेशन के %बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन' को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों द्वारा अपना अनुभव साझा करने के बाद डॉ. आर. मणिकन्नन के धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। एनसीएनई - 2024 नैनो टेक्नोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञ शोधकर्ताओं को जोड़ने वाला एक प्रभावशाली राष्ट्रीय मंच साबित हुआ।

हेल्थकेयर पर कार्यशाला का हुआ समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। एनआईटी रायपुर में आयोजित IoT हेल्थ: IoT एनबलिंग टेक्नोलॉजी, सिक्योरिटी एंड इट्स एप्लिकेशन ऑन हेल्थकेयर पर IBITF (NM-ICPS), डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रायोजित 5-दिवसीय कार्यशाला का 13 दिसंबर को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यशाला 9 दिसंबर 2024 से 13 दिसंबर 2024 तक आयोजित हुई। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, श्री विलियम हैनलॉन जूनियर, चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस, यूनिसेफ इंडिया और विशिष्ट अतिथि डॉ. बाल परितोष दाश ऑफिसर इंचार्ज यूनिसेफ इंडिया और डॉ. श्रीश वर्मा डीन अकादमिक, एनआईटी रायपुर की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. संजय कुमार ने की, जबकि डॉ. राकेश त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. चंद्रशेखर जटोथ, सहायक प्रोफेसर, एनआईटी रायपुर कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्यरत थे।

चतुर्दशी तिथि पर 18वें तीर्थंकर अरहनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) मालवीय रोड में आज जिनालय की पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष प्रतिदिन चल रही आध्यात्मिक प्रयोगशाला शिविर के माध्यम से दिनाँक 14/12/2024

तिथि = मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी,2551 दिन = शनिवार को जिनालय की पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष प्रतिदिन चल रहे आध्यात्मिक प्रयोगशाला शिविर में आज जैन धर्म के 18 वे तीर्थंकर श्री अरहनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर आज सुबह 8.30 बजे पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष सर्वप्रथम पाण्डुक शीला में श्री जी को विराजमान किया गया। उपस्थित सभी धर्म प्रेमी बंधुओ ने प्रासुक जल से रजत कलशों से श्री जी का अभिषेक किया। अभिषेक उपरांत रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा की गई।आज की शांति धारा करने का सौभाग्य प्रवीण जैन मामा जी को प्राप्त हुआ।शांति धारा का शुद्ध वाचन कृष जैन द्वारा किया गया। शांति धारा उपरांत श्री जी भक्तिभाव से आरती की गई। श्री अरहनाथ भगवान के जयकारों से पूरा जिनालय गूंज उठा। शांति पश्चात सभी ने अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य से नवदेवता पूजन, एवं 18 वे तीर्थंकर अरहनाथ भगवान का पूजन किया। अंत में विसर्जन पाठ कर पूजा समाप्त की गई।आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रेयश जैन बालू,प्रवीण जैन मामा जी,संदीप जैन,बंटी जैन, रासु जैन,श्रद्धेय जैन विक्की,प्रणीत जैन,निकेश जैन,कृष जैन के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

दिल्ली एवं रायपुर की टीम आई फूलों के बाजार का निरीक्षण करने

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई के द्वारा चलाए जा रहे शासन के पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत सुपेला दक्षिण गंगोत्री में फूलों का बाजार को व्यवस्थित ढंग से स्थापित किया गया है। जिसके अंतर्गत बागवानी के पौधे बेचने वाले व्यापारियों का समूह शासन की योजनाओं का लाभ लेकर के अपना रोजगार कर रहा है। शहर में चर्चा का विषय है किसी को भी जब अपने बागवानी के लिए, फूलों के पौधे, फलदार पौधे, पूजा करने वाले पौधे, गमले खाद, दवाई इत्यादि लेना रहता है। दक्षिण गंगोत्री में स्थापित फूलों को बाजार में आते हैं। वहां उन्हें उचित दर पर सब सामग्री मिल जाती है। इस दुकान की स्थापना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से किया गया है। वहां पर उन्हें सेड बना कर दिया गया, लोन दिया गया, पानी, लाइट की सुविधा दी गई। व्यवस्थित बाजार बना कर दिया गया है। इसी का निरीक्षण करने के लिए दिल्ली भारत सरकार से इंदु प्रकाश एवं राज्य सरकार रायपुर से दल आया हुआ था। उन्होंने व्यापारियों से बात किया । निगम भिलाई द्वारा प्रदान की जाएगी सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्हें बड़ी खुशी हुई कि भलाई के पौधा बेचने वाले व्यापारियों द्वारा उन्हें पौधों के बारे में, पौधे में किस बीमारी पर कौन सा दवाई डाला जाए, क्या उपयोगी होगा, किस मौसम में कौन सा पौधा लगाना चाहिए इत्यादि की बहुत अच्छी जानकारी है। अपने ग्राहकों को बड़ी बारीकी से जानकारी देते हैं दी। उनको यह भी बताया की नगर निगम भिलाई के यस यल आर ऐम सेंटर के द्वारा बनाई गई जैविक खाद बहुत उपयोगी है। जिसको वह लोगों को बेच रहे हैं। उसे उनको आय हो रहा है, उनका परिवार अच्छी तरह से चल रहा है। इस संबंध में नगर निगम भिलाई को राज्य शासन द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

प्रतिस्थापन कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या:199-एसटी-टेंडर-2024, दिनांक: 05.12.2024.

कार्य: "बिलासपुर/आरआरआई की खराब हो चुकी इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीनों का प्रतिस्थापन।" **निविदा मूल्य: ₹ 29,01,014.48** (₹ उनतीस लाख एक हजार चौदह दशमलव चार आठ पैसे मात्र)। **अमानत राशि: ₹ 58,000/-** (₹ अट्ठावन हजार मात्र)।

निविदा जमा होने की तिथि: 30.12.2024 के 15.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर/
सीपीआर/10/369 द.पू.म.रे.,बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16455 /न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16455
वार्ड का नाम- 27-इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220H00124** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MAHESH KUMAR ROHELA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BHAGWAN DAS ROHELA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री राकेश खेमानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - श्री प्रकाश खेमानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मण्डल द्वारा निर्मित अटल आवास योजना बेलभाठा, अभनपुर, रायपुर में भवन **क्रमांक-336, श्री हितेन्द्र तिवारी पिता स्व.श्री उमाशंकर तिवारी,** के नाम नामान्तरण (विक्रय विलेख उपरांत) किया गया है। **वर्तमान में श्री हितेन्द्र तिवारी पिता स्व.श्री उमाशंकर तिवारी, निवासी: भाठापारा वार्ड नं. 17, ग्राम-बिरकोनी, तहसील व जिला महासमुंद (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्रीमति भारती साहू पति श्री राजेन्द्र साहू, निवासी: सरकारी अस्पताल के पीछे वार्ड नं.-07, भगतसिंह चौक अभनपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अटल आवास योजना बेलभाठा, अभनपुर, रायपुर में भवन **क्रमांक-336,** के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14997/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 21-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14997
वार्ड का नाम- 05 - बंजारी माता मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 05 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR105D00126** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SULTANA BEGUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUNNA KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHARDA DEVI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PARMESHWAR YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16503/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16503
वार्ड का नाम- 18 - बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110C00057** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **K.V. SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **K. SURYAPRABHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O LATE K.V. SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MRITYU PRAMAN PATRA, AGREEMENT, HOUSING BOARD PRAMANIT** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16501/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16501
वार्ड का नाम- 18 - बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110C00072** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAYATRA BAI BHAVSAGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRABHU LAL BHAVSAGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O NATTU LAL BHAVSAGAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MRITYU PRAMAN PATRA, AGREEMENT, HOUSING BOARD PRAMANIT** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16485/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16485
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दूल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436K0181A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **FIRDOS BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O ABDUL KARIM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MUMTAJ BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O HAPHIJUDDIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./16434/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16434
वार्ड का नाम- 03 - संत कबीरदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 03 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR803G0613B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAKESH TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **G. LAXMI NARAYAN TRIPATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ROSHAN LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SUBHASH LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./16560/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16560
वार्ड का नाम- 13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222F0207A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAILASH BESAN MILL AND RICE MILL KARTA DR. ASHOK KHEMKA S/O LATE. HARIKISHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री प्रेम चंद ब्रिजवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री गुरनामल ब्रिजवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./ 16559/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16559
वार्ड का नाम- 13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222F00207** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAILASH BESAN MILL AND RICE MILL KARTA DR. ASHOK KHEMKA S/O LATE. HARIKISHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....**के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री सुनील कुमार पटेल पिता - श्री केशव लाल पटेल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्री राजेश कुमार पटेल पिता - श्री केशव लाल पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16544/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16544
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR814A00458** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. SUNITA SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NEERAJ KUMAR SHRIVASTAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SUNITA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH KUMAR AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16541/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16541
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR814A00379** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAINAM BUILDERS PARTNER SMT PUSHPA RAMPURIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TRILOK CHAND RAMPURIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KIRAN SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANIL KUMAR SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16406/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 11-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16406
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813C00145** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ADHIR GHOSE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S.K. GHOSE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ARABIND KUMAR GHOSE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. ADHIR KUMAR GHOSE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15803/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 20-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. .15803
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802J00170** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHOBHIT SHRIVASTAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNIT KUMAR SHRIVASTAVA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **EKTA BUKSH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **YABESH BUKSH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16281/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 05-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16281
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G00351** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIVEKANAND MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BALKRISHNA MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOHAMMAD HASNAT KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL RAFIQ KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /16567/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 13-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16567
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813C0262A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AKRITI DEVPALRS NARESH PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VITHUL BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHANTANU N. K. CHOUDHURY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NIRANJAN KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./ 16571/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16571
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737E00278** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **HEMANT TAWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O NATWARLAL TAWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAYANK SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MANNU LAL SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./ 16483 /न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 14-12-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16483
वार्ड का नाम- 26-दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR109B00204** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR DUKRE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O KHANDE RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAHUL DUKRE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. S/O ASHOK KUMAR DUKRE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

डबल इंजन की सरकार में विकास की रफ्तार भी डबल

केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका की ओर छत्तीसगढ़

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और राज्य में श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ की जनता को दोहरा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री जी ने जिस संकल्प के साथ विकसित भारत की प्रतिबद्धता जाहिर की उसी लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ में भी जनहित कार्यों का सिलसिला लगातार आगे बढ़ रहा है। साय सरकार में गुणवत्ता, जवाबदेही और पारदर्शिता के तीन कार्यस्तम्भ के जरिए लोगों तक सुशासन का संदेश जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में संचालित योजनाओं का छत्तीसगढ़ को भरपूर लाभ मिल रहा है। केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में छत्तीसगढ़ लगातार अग्रणी भूमिका की ओर बढ़ रहा है। जिनमें पीएम आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जैसी योजनाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार से पूरे देश में सर्वाधिक 8.46 लाख आवास निर्माण का लक्ष्य मिला है। मोदी जी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति के साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत सर्वे के पात्र 47 हजार 90 आवासहीन परिवारों को भी पक्का मकान दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ में अब तक पीएम आवास योजना ग्रामीण में 1 लाख 74 हजार 585 हितग्राहियों को उनका आवास मिल चुका है। प्रदेश में पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों को पीएम जनमन योजना का भी लाभ मिल रहा है। इस योजना के अंतर्गत अब तक प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजातियों के 24 हजार 542 परिवारो को आवास की स्वीकृति मिल चुकी है। प्रदेश में केंद्र सरकार के द्वारा 1 हजार 699 करोड़ की स्वीकृति से 2 हजार 449 किलोमीटर की 715 सड़कों का निर्माण भी किया जाएगा, जिनसे 777 पीव्हीटीजी बसाहटें लाभान्वित होगी।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदल रही है। प्रदेश में लोगों को गुणवत्तापूर्ण आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का लाभ मिल रहा है, इस उपलब्धि के लिए भारत द्वारा छत्तीसगढ़ के राज्य के 266 सरकारी अस्पतालों को क्वालिटी सर्टिफिकेशन भी दिया है। छत्तीसगढ़ में 11 लाख 20 हजार से ज्यादा मरीज आयुष्मान कार्ड से लाभान्वित हुए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए दिसम्बर 2023 से नवम्बर 2024 तक 883 संविदा पदों पर नियुक्ति भी दी गई है।

डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ में विकास की रफ्तार भी डबल हो गई है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित दूरस्थ इलाकों में 103 किलोमीटर लम्बाई की सड़कें बन चुकी हैं, इनमें 616 सड़कों के नवीनीकरण का कार्य भी जारी है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 4500 करोड़ रूपए के प्रावधान के साथ ही छत्तीसगढ़ के 50 लाख परिवारों तक शुद्ध पेयजल पहुँचाने का लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए 40 लाख परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंचा दिया गया है। साथ ही छत्तीसगढ़ के चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 11 हजार करोड़ रूपए की मंजूरी भी मिल चुकी है। उरगा-कटघोरा बाईपास, बसना से सारंगढ़ फीडर रूट, सारंगढ़ से रायगढ़ फीडर रूट और रायपुर-लखनादोन इकॉनोमिक कॉरिडोर के लिए भी केन्द्र से स्वीकृति मिल चुकी है, 236.1 किलोमीटर की कुल लम्बाई वाले इस कॉरिडोर को 9208 करोड़ रूपए की लागत बनाया जाएगा। केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ में 20 हजार करोड़ रूपए के विकास कार्यों को भी मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ को पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा 240 ई-बसों की स्वीकृति भी मिली है, ये बसें रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग-भिलाई में चलेंगी। इस सुविधा से आम लोगों को सस्ती दर में परिवहन की सुविधा मिलेगी। छत्तीसगढ़ के किसानों तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का दोहरा फायदा पहुंच रहा है, किसान अपनी सुविधा से अधिकतम 5 लाख तक अल्पकालीन कृषि ऋण भी ले सकते हैं। मोदी जी की गारंटी पर मुख्यमंत्री की पहल से छत्तीसगढ़ के किसानों को उनके धान का देश में सबसे उच्चतम मूल्य मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं का तेजी से हो रहा विस्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ को कभी बीमारू राज्य का दर्जा दिया जाता था। मध्य प्रदेश के समय से ही छत्तीसगढ़ लगातार उपेक्षित रहा है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे बहुत पहले ही भांप लिया था। इसीलिए जब वो प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने छत्तीसगढ़ को एक नई राह दिखाने के लिए इसे मध्य प्रदेश से अलग करके नया राज्य बनाया। हालांकि उस वक्त कठिनाइयां काफी ज्यादा थीं। राज्य में स्वास्थ्य सुविधाएं न के बराबर थीं। लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए राज्य के बाहर जाना पड़ता था। राज्य में डाक्टरों की कमी थी। मेडिकल कालेज के नाम पर सिर्फ रायपुर ही था जहां से गिनती के डाक्टर ही पास होकर निकलते थे और वो भी अच्छी सुविधाओं की तलाश में राज्य के बाहर निकल जाते थे।

साल 2003 में छत्तीसगढ़ में एक नयी सुबह की हुई और यहां से छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में धीरे-धीरे आगे बढ़ना शुरू कर दिया। बीते दो दशकों के सफर में आज छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी आगे निकल चुका है। कभी जहां सिर्फ एक मेडिकल कालेज हुआ करता था आज इसी राज्य में 10 शासकीय मेडिकल कालेज हैं। एमबीबीएस की सीटें भी 100 से बढ़कर 1460 हो गयी हैं। शासकीय मेडिकल कालेजों में 291 स्नातकोत्तर की सीटें भी बढ़ी हैं जिससे राज्य को विशेषज्ञ चिकित्सक मिल रहे हैं। राज्य के युवा बेहतर डाक्टर बन सकें इसके लिए नियमों में संशोधन करते हुए छत्तीसगढ़ के सभी मेडिकल कालेजों में हिंदी में भी पढ़ाई की शुरूआत हो चुकी है। एक वर्ष के दौरान ही छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा पदों पर 126 विशेषज्ञ चिकित्सक, 395 चिकित्सा अधिकारियों, 95 स्टाफ नर्स, 35 एएनएम, 29 लैब टैक्नीशियन, 54 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के अलावा 149 अन्य पदों पर नियुक्तियां दी गयी हैं।

श्रीरामलला दर्शन योजना से लोगों का सपना हो रहा साकार

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन की श्रीरामलला दर्शन योजना से प्रदेश के हजारों लोगों का सपना पूरा हो रहा है। इस योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेशवासियों को नि:शुल्क अयोध्या धाम की यात्रा करवा रही है। विशेष ट्रेनों से श्रद्धालुओं को अयोध्या ले जाकर श्रीरामलला और काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन कराया जा रहा है। दोनों जगहों की यात्रा से लौटे प्रदेशभर के श्रद्धालु इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और राज्य शासन के प्रति आभार जता रहे हैं। यात्रा के अपने सुखद अनुभवों को साझा करते हुए वे कहते हैं कि रामलला के दर्शन सौभाग्य की बात है। हमें वहां भेजकर मुख्यमंत्री ने अपना वादा निभाया है। श्रीरामलला के दर्शन और यात्रा के दौरान अच्छी व्यवस्थाओं के लिए हम उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। विशेष ट्रेन से अयोध्या से दर्शन कर लौटे बिलासपुर शहर के कोनी निवासी श्री संतोष कोरी ने कहा कि सरकार की इस योजना से हम जैसे गरीबों को भी श्रीरामलला के दर्शन का सुअवसर मिल रहा है। अयोध्या धाम का दर्शन सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि यात्रा में सभी की सुविधा का ख्याल रखा गया, किसी भी तरह की समस्या नहीं हुई। सभी यात्रियों की सुविधाओं के लिए सरकार ने बेहतर इंतजाम किए थे। उनकी पत्नी श्रीमती गायत्री कोरी ने बताया कि यात्रा के दौरान उनकी तबीयत खराब होने पर डॉक्टरों ने उन्हें अपनी निगरानी में लिया और विशेष देखभाल की, जिससे उसके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की गई थी।

आजादी के 78 साल बाद घोर माओवादी दूरस्थ गांव पूवर्ती में पहली बार गूंजी दूरदर्शन की आवाज

बंजाम मड़गू और नुप्पो हड़मा के घर में ग्रामीणों ने देखी देश-दुनिया की खबर, जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाने की पहल

नई दिल्ली (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के दक्षिणतम छोर सुकमा जिले के अति-माओवाद प्रभावित और दुर्गम क्षेत्र पूवर्ती में विकास की एक नई किरण पहुंची है। आजादी के 78 साल बाद पहली बार इस गांव के लोगों ने दूरदर्शन पर देश-दुनिया की खबरें, धारावाहिक और स्थानीय फिल्में देखी। नियद नेल्ला नार गांव पूवर्ती के बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी दूरदर्शन के कार्यक्रमों को देखने के लिए घंटों टीवी सेट के पास बैठे रहे। इस पहल ने यह साबित किया है कि विकास की तेजी माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव हो रहा है। जिससे पूवर्ती, सिलगेर, टेकलगुड़ियम जैसे सुदूर गांवों में इस तरह की योजनाएं विकास और शांति का नया अध्याय लिख रही हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर गांव के बच्चों ने ज्ञानवर्धक कार्यक्रम और कार्टून देखकर न केवल खुशी का अनुभव किया, बल्कि उनके चेहरे पर सीखने और उत्सुकता की झलक भी साफ देखी गई। यह पहल ग्रामीण विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुदूर गांवों तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नियद नेल्लानार योजना का संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के पहल पर इस योजना का मुख्य उद्देश्य गांवों तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) विभाग ने पूवर्ती गांव में सौर ऊर्जा से संचालित उपकरण का वितरण किया। परिवार को सोलर लाइट और सोलर पंखा वितरण किया गया। इसके साथ ही दूरदर्शन के सेट पूवर्ती, टेकलगुडियम और सिलगेर में क्रमश: दो-दो सेट स्थापित किए गए हैं।

चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों ने जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जाना

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन का एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों को देने के लिए चित्र प्रदर्शनी लगाई है। चित्र प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना सहित अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गई। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को भी महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

जशपुर जिले में रणजीता स्टेडियम चौक के पास 13 से 14 दिसंबर 24 तक दो दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी लोगों को दी गई है। प्रर्दशनी का अवलोकन करने वाले फरसाबहार विकास खंड के नवीन कुमार, बसंत कांसाबेल विकास खंड के पाकरटोली निवासी श्री रूपेश साय ने बताया कि वे अभी कालेज में पढ़ाई कर रहे हैं। साथ ही प्रतियोगिता परीक्षा की भी तैयारी कर रहे हैं। प्रदर्शनी का अवलोकन करके अच्छा लगा और बहुत सारी ज्ञानवर्धक जानकारी भी मिला है। तैयारी करने के लिए योजना से संबन्धित पुस्तिका भी मिला जिसके उनको अब तैयारी करने में आसानी होगी। पत्थलगांव विकास खंड के जय प्रकाश पैंकरा ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया और खुशी जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत अनेक अच्छी योजना संचालित की जा रही है। इसकी जानकारी विस्तार से उनको यहां आकर मिला है। और लोगों को भी इसकी जानकारी देने की बात कही। प्रर्दशनी का अवलोकन जशपुर गिराग के नंनकू राम , कुलविंदर, बाबूलाल, कुनकुरी के जावेद, भागलपुर जशपुर के अलका कुजुर ने भी अवलोकन किया।

नेशनल लोक अदालत में 22 लाख 59 हजार से अधिक प्रकरणों का हुआ रिकार्ड निराकरण

रायपुर (विश्व परिवार)। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आज छत्तीसगढ़ राज्य में 22 लाख 59 हजार से अधिक प्रकरणों का रिकार्ड निराकरण हुआ। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कुल 842 करोड़ रूपए से अधिक का अवार्ड पारित किया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि आज 14 दिसम्बर को उच्च न्यायालय से लेकर तालुका स्तर न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों में लोक अदालतों का आयोजन हुआ। हाईकोर्ट बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश ने नेशनल लोक अदालत के तहत खण्डपीठों का वर्चुअल निरीक्षण किया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि यह इस वर्ष की चतुर्थ एवं अंतिम नेशलन लोक अदालत थी। मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा द्वारा रायपुर व दुर्ग के लोक अदालत की कार्यवाहियों का निरीक्षण कर वहां के प्रधान जिला न्यायाधीशों से चर्चा की गई और उन्हें अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। इससे लोक अदालत के पीठासीन अधिकारियों, सदस्यों व पक्षकारों को प्रोत्साहन मिला और पक्षकारों में विश्वास सृजित हुआ है।

कृषि की समृद्धि से निकलेगा छत्तीसगढ़ की खुशहाली का रास्ता

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रूपए का भुगतान करके एक ओर जहां अपना संकल्प पूरा किया है, वहीं दूसरी ओर किसानों से बीते खरीफ विपणन वर्ष में 144.92 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी कर एक नया रिकार्ड कायम किया है। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 32 हजार करोड़ रूपए का भुगतान एवं किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मूल्य की अंतर की राशि 13,320 करोड़ का भुगतान करके यह बता दिया है कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का रास्ता खेती-किसानी से ही निकलेगा। देश में यह गौरव की बात है कि सेंट्रल पूल में धान के योगदानकर्ता राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। समर्थन मूल्य पर सर्वाधिक किसानों से धान खरीदने वाला तथा धान का सर्वाधिक 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से मूल्य देने वाला छत्तीसगढ़, देश का प्रथम राज्य है।

SAMVAD- 42449/ 85

बस्तर ओलंपिक 2024
करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर
बस्तर ओलंपिक 2024
सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल
रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़
खेलों के जरिए
सुखद भविष्य
की ओर बढ़ता
बस्तर
श्री अमित शाह
माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
खेलेगा बस्तर
बढ़ेगा बस्तर
हमने बनाया है
हम ही सँवारेंगे
हमसे जुड़ने के लिए
Q.R. स्कैन करें
ChhattisgarhCMO
Visit us : DPRChhattisgarh
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
www.dprcg.gov.in
SAMVAD- 42449/ 85

SAMVAD- 42449/ 85

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर रविवार 15 दिसंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें और मुश्किलें

ललित गर्ग

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफहोता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है। निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफहै कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग-थलग होता हुआ दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। आने वाले चुनाव विपक्षी गठबंधन के भविष्य के लिए भी अहम और निर्णायक होंगे। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है। इंडिया गठबंधन का मूल उद्देश्य भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करना है, लेकिन इसके लिये कांग्रेस एवं गठबंधन प्रभावी मुद्दें प्रस्तुत करने में नाकाम रही है। जबकि भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गढ़ने में क्यों असफल रहे? इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता राहुल गांधी की इन स्थितियों पर गंभीर मंथन कर रहे हैं।

अवैध प्रवेश की कोशिश में बढ़ोतरी

कनाडा के रास्ते अमेरिका में अवैध प्रवेश की कोशिश करने वाले भारतीयों की संख्या में अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच 22 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। कनाडा के रास्ते ऐसे कुल 1,09,535 प्रयास हुए, जिनमें 16 प्रतिशत में भारतीय शामिल थे। गुजरे हफ्ते राज्यसभा में इस प्रश्न का विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने जवाब नहीं दिया कि क्या भारत से गैर-कानूनी ढंग से बाहर जाकर आश्रय मांगने वाले लोगों की संख्या में 800 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। सिंह ने कहा कि सरकार के पास इस बारे में कोई आंकड़ा नहीं है, क्योंकि ये लोग जिन देशों में जाते हैं, वहां की सरकारें उन्हें साझा नहीं करतीं। मगर उन्होंने यह जरूर कहा कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं, वे देश की प्रतिष्ठा गिरा रहे हैं। बहरहाल, अब एक आंकड़ा जरूर सामने आया है, जिसे भारत सरकार के नजरिए से देश के लिए अपमानजक कहा जाएगा। ये सूचना अमेरिका के कस्टम और सीमा सुरक्षा विभाग ने दी है। उसके मुताबिक कनाडा के रास्ते अमेरिका में अवैध प्रवेश की कोशिश करने वाले भारतीयों की संख्या में अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच 22 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। कनाडा के रास्ते ऐसे कुल 1,09,535 प्रयास हुए, जिनमें 16 प्रतिशत में भारतीय शामिल थे। उसके पहले वाले वर्ष में 30,010 भारतीयों ने ऐसी कोशिश की थी, जबकि उपरोक्त अवधि में यह संख्या 43,764 हो गई। और यह सिर्फ कनाडा के रास्ते हुए प्रयासों का आंकड़ा है और वह भी सिर्फ उनसे संबंधित है, जिन्हें ऐसी कोशिश करते हुए पकड़ा गया। अमेरिका में ऐसी घुसपैठ की सबसे ज्यादा कोशिशें मेक्सिको की तरफ से होती है। अब चूंकि अवैध आव्रजकों को देश से निकालना और अवैध आव्रजन रोकना निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की सर्वोच्च प्राथमिकता है, तो यह मुद्दा चर्चा में आया है। वैसे भारत से बड़े पैमाने पर अवैध ढंग से जाकर विदेश में बसने की कोशिश कर रहे हैं, यह आम जानकारी है। यह भी उल्लेखनीय है कि ऐसी कोशिशों अक्सर साधन संपन्न वर्ग के लोग शामिल होते हैं। क्यों? मान-अपमान की सोच से बाहर निकल सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। आखिर क्यों विदेश में बसाने के लिए 80 लाख रुपये तक एजेंटों को देने के लिए लोग तैयार हो रहे हैं?देश में मौजूद अवसरों के प्रति लोगों का विश्वास इतना क्यों डोल गया है, सोचने का मुद्दा यह है।

आलेख

भाजपा की निर्णायक लड़ाई का निष्कर्ष

अजीत द्विवेदी

संसद के शीतकालीन सत्र में हर दिन राजनीति का नया रंग देखने को मिल रहा है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने किसी हाल में अडानी का मुद्दा नहीं छोडऩे का फैसला किया है तो दूसरी ओर सत्तारुढ़ दल यानी भाजपा भी निर्णायक लड़ाई की तैयारी में है। भाजपा की निर्णायक लड़ाई का निष्कर्ष यह है कि लोकसभा में यानी जनता के सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गद्दार' हैं, सबसे बड़े विपक्षी पार्टी कांग्रेस की संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी भी देश विरोधी हैं और अमेरिका दुश्मन देश है। भाजपा ने संसद की बहस और चर्चाओं के साथ साथ प्रेस कांफ्रेंस करके भी यह नैरेटिव स्थापित किया है। जब भाजपा के सांसदों ने आरोप लगाए तब भी ये आरोप गंभीर थे लेकिन अब तो केंद्र सरकार के मंत्रियों ने भी इन आरोपों को दोहराया है। तभी यह सवाल गंभीर हो गया है कि क्या सचमुच नेता प्रतिपक्ष गद्दार' या देश विरोधी हैं और क्या सचमुच अमेरिका भारत का दुश्मन है? पहले अमेरिका पर लगाए गए आरोपों की चर्चा करें तो उसमें कई बातों का खुलासा हो गया है। भाजपा के सांसदों ने जब कहा कि ओसीसीआरपी यानी ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल है और इस संस्था को अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस और अमेरिकी विदेश विभाग की फंडिंग मिलती है तब अमेरिका ने इस पर अपना पक्ष रखा था। अमेरिका ने कहा था कि वह मीडिया की स्वतंत्रता का चैंपियन रहा है और इस तरह के किसी भी संगठन पर दबाव नहीं बनाता है। इतना ही नहीं अमेरिका ने इसे निराशाजनक बताया था कि भारत में सत्तारूढ़ दल इस किस्म के आरोप लगा रहा है। अब सवाल है कि भाजपा ने ये आरोप किस आधार पर लगाए थे? भाजपा का आरोप फ्रांस के मीडिया समूह %मीडियापार्ट' की एक रिपोर्ट पर आधारित था, जिसमें कथित तौर पर यह कहा गया था कि ओसीसीआरपी को अमेरिकी विदेश विभाग की फंडिंग है। अब %मीडियापार्ट' ने जवाब दिया है और कहा है कि भारत में सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा %फेक न्यूज' फैला रही है। उसका कहना है कि उसकी रिपोर्ट को गलत तरीके से उद्धृत किया जा रहा है, अपने मनमाफिक राजनीतिक नैरेटिव सेट करने के लिए। अमेरिका और फ्रांस के मीडिया समूह दोनों के जवाब के बाद भी भाजपा ने आरोप लगाना बंद नहीं किया है। भाजपा के सांसद अब भी दावा कर रहे हैं कि अमेरिका की फंडिंग से चल रहा एक संगठन भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। अब सवाल है कि उस संस्था यानी ओसीसीआरपी की भारत विरोधी गतिविधियां क्या हैं? ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट ने पेगासस के इस्तेमाल की जानकारी दी थी और एक रिपोर्ट में अडानी समूह पर शेयर बाजार में जोड़तोड़ का आरोप लगाया था। यही बात हिंडनबर्ग रिसर्च ने भी कही थी। सोचें, इसमें से कौन सी बात भारत विरोधी हो गई? अगर स्वतंत्र पत्रकारों के किसी समूह ने जासूसी के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की रिपोर्ट दी या किसी कंपनी विशेष पर जोड़तोड़ का आरोप लगाया तो इसे देश विरोधी कैसे माना जा सकता है? लेकिन भाजपा का कहना है कि यह संस्था भारत के आर्थिक विकास को रोकना चाहती है। घूमा फिरा कर यह बात भी कही जा रही है कि राहुल गांधी के इशारे पर यह काम हो रहा है। इसका मतलब है कि राहुल गांधी इतने पावरफुल हैं कि वे अमेरिका जाते हैं और जॉर्ज सोरोस व अमेरिकी विदेश विभाग को इसके लिए तैयार करते हैं कि वे भारत विरोधी गतिविधियां चलाएं? भारत में आर्थिक विकास को बाधित करें? अगर ऐसा है तो फिर पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री का डंका किस बात का बज रहा है? फिर तो डंका राहुल गांधी का बज रहा है जो वे दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश से मनचाहा काम करवा रहे हैं! फिर जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप किस बात के प्रधानमंत्री के दोस्त हैं, जो उनके देश से राहुल गांधी के कहने पर भारत विरोधी गतिविधियां चल रही हैं? एक बड़ा सवाल यह भी है कि अमेरिका को दुश्मन बता कर भारत को क्या हासिल होगा? पिछले कई दशकों से अमेरिका के साथ भारत के संबंध स्थिर और दोस्ताना रहे हैं। अगर इतना दोस्ताना नहीं भी होता तो किसी स्वतंत्र संस्था की रिपोर्ट के आधार पर किसी देश को दुश्मन या विरोधी बताना कोई अच्छी कूटनीति नहीं होती है। तभी यह सवाल भी है कि अमेरिका पर हमला सिर्फ ओसीसीआरपी में उसकी कथित फंडिंग की वजह से है या कहीं इसके पीछे अमेरिकी अदालत द्वारा गौतम अडानी व सागर अडानी सहित आठ लोगों को आरोपी बनाने, अमेरिकी अखबारों में भारत के बड़े नेताओं के नाम आने और अमेरिकी एजेंसियों द्वारा भारतीय नागरिकों को मोस्ट वांटेड और भगोड़ा बताने का भी हाथ है?

एक निर्दयी शासन का अंत दूसरे निर्दयी शासन को जन्म

शरुति व्यास

मनमानी और लोगों को दबा कर शासन करने वालों का राज एक न एक दिन खत्म होता ही है। और जब उनके राज का अंत होता है तो वह निष्ठुर होता है। और उन देशों में भी जहां लोकतंत्र दिखावे का है। हाल के दशकों पर निगाह डालें। शेख हसीना का क्या हुआ? सद्दाम हुसैन, गद्दाफी, जीन अल अबिदीन बेन अली, होस्नी मुबारक आदि की सूची में अब बशर अल-असद का नाम भी जुड़ गया है। असद परिवार के पचास साला राज के खात्मे का सभी और स्वागत है। सीरिया में लोगों ने राहत की सांस ली। वहां %एक नई शुरूआत' और बाकी दुनिया से नए सिरे से संबंध कायम करने को लेकर जश्न का माहौल है। पश्चिम ने असद सरकार के तख्तापलट पर अपनी प्रसन्नता और हर्ष बेबाकी से जाहिर की है। लेकिन एक ऐसे देश के लिए नई शुरूआत कैसी होगी जिसने सिर्फ निर्ममता भुगती है? वे एक नई शुरूआत कैसे करेंगे जबकि उन्होंने जीवन भर सिर्फ दमन देखा-भोगा है? इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि इस्लामिक उग्रवादियों और आतंकवादियों का गठबंधन %ताजी शुरूआत' का प्रतीक भला कैसे बन सकता है? भविष्य में वे क्या करेंगे यह कोई नहीं जानता। ऐसे में क्या इनके सत्ता पर काबिज होने का जश्न मनाया जाना चाहिए? दस साल पहले मिस्र, लीबिया, टयूनीशिया और यमन ङ्क जहां तानाशाहों का तख्ता पलट दिया गया था ङ्क में खुशियां मनाई गई थीं और सुनहरे, आजादी भरे दिनों का इंतजार था। उम्मीदों का कोई ठिकाना न था। सारी दुनिया ने तानाशाहों का राज खत्म होने की थी। ये चार देश क्रांति की सफलता की नजीर बन गए थे। उसे अरब स्प्रिंग कहा गया था। लेकिन आज इन देशों में जो हालात हैं वे हमारे लिए एक चेतावनी हैं। मिस्र में लोकतंत्र अधिक समय तक कायम न रह सका। लीबिया, टयूनीशिया और यमन गृहयुद्ध में फंस गए। ये विदेशी ताकतों का अखाड़ा हुए। खाड़ी के अमीर देशों ने वहां अपने लोगों को सत्ता पर काबिज कराने और अन्य देशों में अलोकतांत्रिक शक्तियों की मदद के लिए बेशुमार पैसा खर्च किया। आज इस क्षेत्र में 2010 से भी कम आजादी है ङ्क और ज्यादातर पैमानों पर इन देशों के हालात खराब ही हैं। लोकतंत्र के झंडाबरदार पश्चिमी देश, इन देशों की नई शुरुआत में मददगार नहीं हुए। जैसा कि अफगानिस्तान के मामले में हुआ, अब वे इस सोच-विचार में डूबे हुए हैं कि उन देशों में बगावत को सफल बनाने के लिए वे क्या कर सकते थे। क्या इससे ज्यादा आत्ममुग्ध होना संभव है? जो हुआ उसकी वजह बहुत और सीधी है। बगावत के बाद ईरान से रूस तक, और पश्चिम देशों से लेकर तक क्षेत्रीय ताकतों तक ङ्क सभी इन देशों में अपना दबदबा कायम करने में जुटे। इसके अलावा, इस्लामवादी समूह भी सक्रिय थे जो चाहते थे कि उनकी मर्जी चले और सत्ता पर उनका प्रभाव रहे। लेकिन सबसे बड़ी भूल हालातों को समझने में हुई। लोकतंत्र के लिए मात्र यह पर्याप्त नहीं होता कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हों। उसके लिए बातों को समझने, जानने और उनमें रूचि लेने वाले नागरिकों, सभी पक्षों को स्वीकार्य नियम-कानूनों और इस सांझे भरोसे की भी जरूरत होती है कि राजनैतिक मतभेद देश के अस्तित्व के लिए खतरा नहीं बनेंगे। सीरिया पर असद का राज खत्म होना एक राहत भरी खबर है लेकिन अनिश्चितता के हालात हैं। इस्लामिक उग्रपंथियां का गठबंधन एक बड़ा खतरा है। हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस), जिसकी इस तख्तापलट में सबसे बड़ी भूमिका थी, काफी शक्तिशाली है। अमेरिका इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। देश में अपना दबदबा कायम करने के लिए एचटीएस को एक अन्य तुर्की-समर्थित संगठन, जिसका प्रभाव क्षेत्र उत्तरी सीरिया है, और कुर्दिश नेतृत्व वाले पूर्वी सीरिया के एक धर्मनिरपेक्ष गठबंधन, जिसे अमेरिका का समर्थन हासिल है, से निपटना होगा। हालांकि एचटीएस अपनी छवि एक उदारवादी और नर्मदिल संगठन की बनाने की कोशिश कर रहा है, जो ईसाईयों, ड्रूसों और असद के समर्थन के मुख्य आधार शिया समुदाय के अलावतियों समेत सीरिया के विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना चाहता है। लेकिन यह तभी संभव हो सकेगा जब असद के बाद के दौर के सीरिया के शासन के संचालन के संबंध में इन समुदायों के साथ इस संगठन का कोई समझौता हो। यदि ऐसा नहीं हुआ तो गृहयुद्ध चलता रहेगा क्योंकि विभिन्न अल्पसंख्यक समूहों के लडाके, नई केन्द्रीय सरकार को अपने-अपने इलाकों में घुसने से रोकने के लिए खड़े हो जाएंगे। जहां तक विदेशी शक्तियों का सवाल है, तुर्की ने अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश शुरू कर दी है। तुर्की, सीरिया में राजनैतिक स्थिरता इसलिए भी चाहता है क्योंकि तुर्की में रह रहे 30 लाख सीरियाई शरणार्थी तब तक अपने देश वापिस नहीं जाएंगे जब तक वहां से असद का नामोनिशां मिट नहीं जाता। राष्ट्रपति अर्दोगान को शरणार्थियों को वापिस भेजने में असफल रहने के लिए देश में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन तुर्की किस सीमा तक एचटीएस को अपने नियंत्रण में रख सकेगा, यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। अर्दोगान का एचटीएस के नेता अबू मोहम्मद अल-जोलानी पर कितना प्रभाव है, यह स्पष्ट नहीं है। इसके अलावा ईरान और रूस की प्रतिक्रिया क्या होगी और वे कौन-से कदम उठाएंगे, यह समय बताएगा। ईरान का मानना है कि एचटीएस के सशक्त होने और आगे बढऩे में इजराइल और अमेरिका का मुख्य योगदान रहा है। उसका दावा है कि इजराइल इस संघर्ष का लाभ उठाकर सीरिया के रास्ते ईरान से लेबनान पहुंचाए जाने वाले हथियारों के मार्ग को बंद करना चाहता है। यह बात सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर कही जा रही है, खासकर शियाओं द्वारा। सीरिया का घटनाक्रम निश्चित ही क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा।

भाजपा के खिलाफ27 में फिर बदलेगा समीकरण

अजय कुमार

कांग्रेस और सपा के बीच दूरियां तब और बढ़ गईं जब सपा कि तरफ से कहा जाने लगा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस की जगह तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी को दिए जाने पर सपा को एतराज नहीं है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खिलाफ एक बार फिर से सियासी समीकरण काफी तेजी के साथ बदल रहा हैं। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार की विरोध की हांडी नहीं पक पाने के कारण प्रदेश में एक बार फिर से नए सियासी समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। इस नये समीकरण में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी का अहम रोल हो सकता है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को दिये जाने की मांग का भी समर्थन कर रहे हैं। हो सकता है 2027 के विधानसभा चुनाव के समय तक समाजवादी पार्टी कांग्रेसी पंजे से अपना हाथ छुड़ाकर ममता बनर्जी के कहने पर एक बार फिर से मायावती के सात बुआ भतीजे वाला रिश्ता निभाते नजर आए। ऐसा होता है तो यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यह संभावना है इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पिछले कुछ दिनों या महीनों से कांग्रेस समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। सपा-कांग्रेस के बीच दूरियां लगातार बढ़ने के साथ एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से बयानबाजी भी हो रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस की नाकामी भी इसमें एक अहम कड़ी समझा जा रहा है। यही दूरियां ही हैं कि संसद के अंदर भी सपा-कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं।सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में दरार आई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। हाल यह है कि जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान ने भी इंडिया ब्लॉक को जेल से एक संदेश भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि इंडिया ब्लॉक को मुसलमानों पर हो रहे हमलों पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को भी लिखा कि संभल की घटना के जैसे ही रामपुर में हुए अत्याचार का मुद्दा भी

संसद में उतनी ही मजबूती से उठाना चाहिए। कांग्रेस और सपा के बीच दूरियां तब और बढ़ गईं जब सपा कि तरफसे कहा जाने लगा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस की जगह तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी को दिए जाने पर सपा को एतराज नहीं है। बता दें लोकसभा चुनाव के बाद कई चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के बाद इंडिया गठबंधन में अंतर्विरोध बढ़ रहे हैं। उधर दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि यूपी की राजनीति एक बार फिर पलट सकती है। सपा और कांग्रेस के बीच आई दूरियों के बीच मायावती का रुख नई राजनीतिक समीकरणों को जन्म दे सकता है। बहराल, सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में असहजता पैदा हुई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। रिश्तों में खटास का ही नतीजा है कि सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने कहा कि ममता बनर्जी वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी हाईकमान भी यही चाहता है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल भी कह चुके हैं कि वे राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता नहीं मानते हैं। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति में शामिल सपा के एक नेता बताते हैं कि कांग्रेस गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। उसके नेता चुनाव के वक्त ही सक्रिय होते हैं जिससे जनाधार नहीं बढ़ता। ऐसे में बेहतर होगा कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। भाजपा को मात देने के लिए रणनीति के साथ जनता के बीच लगातार जुटे रहने की जरूरत है। बात बीएसपी की की जाए तो हरियाणा व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव और यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस व सपा के बीच बढ़ी दूरियों का सियासी लाभ बसपा को मिलने की उम्मीद है। पार्टी तेजी से बदले राजनीतिक घटना पर नजर बनाए हुए है। यदि कांग्रेस और सपा के बीच बात नहीं बनी तो इसकी वजह से बनने वाले तीसरे मोर्चा का बसपा अंग बन सकती है। जानकारों की मानें तो वर्तमान में पार्टी को अपना वजूद बचाने और देश की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता को बरकरार रखने के लिए इसकी जरूरत भी है। बसपा के इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत मिला था। इससे पहले बसपा दूसरे दलों की मदद से सरकार बनाती रही, जिसका लाभ उसे लोकसभा चुनावों में भी मिलता गया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर रविवार 15 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

एक्सयूवी वाहन से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद

धमतरी(विश्व परिवार)। दिनांक 11-12-24 को धमतरी पुलिस थाना केरेगांव को यह सूचना मिली की ग्राम माड़मसिल्ली सियारीनाला पुलिया के पास एक वाहन एक्सीडेंट होकर पलट गया है जिसकी की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पर पुलिया के नीचे एक वाहन महिन्द्रा कंपनी का एक्सयूवी 500 क्रमांक एचआर 2620 यू 9823 गिरा पड़ा था। जिसके पास एक व्यक्ति खड़ा था जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम प्रदीप कुमार पिता सुभाषचन्द्र उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम कानो थाना अग्रोहा जिला हिसार (हरियाणा) का रहने वाला बताया। जिसके बाद एक्सीडेंट हुये वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 04 पैकेट गांजा मिला। जिसके बाद आरोपी को कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि और गांजा का पैकेट नाला में झाड़ियों के बीच में छुपा कर रखा हूँ। जिसके बाद झाड़ी के पास जाकर तलाशी लिया गया जहां पर 63 पैकेट गांजा मिला। जिसका कुल 67 पैकेट गांजा का वजन 349.120 किलो ग्राम कीमती 34,91,200 /- रूपये को जप्त कर थाना केरेगांव द्वारा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर अप0क्र0 74/24 धारा 20 (बी)एनडीपीएस. एक्ट 1985 के तहत वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी केरेगांव प्रदीप सिंह, प्रधान आरक्षक डिकेश कुमार सिन्हा,हेमराज ध्रुव, आरक्षक शक्ति सोरी,गणेश नेताम, जितेन्द्र ठाकुर का विशेष योगदान रहा है।

लाईवलीहुड कॉलेज में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

गरियाबंद(विश्व परिवार)। सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में आज मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने अपने हाथों पर बेटी बचाओं बेटी पढाओं, महतारी वंदन योजना, नल जल योजना, आत्मनिर्भर भारत, सुशासन का एक साल-छ.ग. हुआ खुशहाल, ऐसे ही सरकार की जनहितकारी योजनाओं व गतिविधियों के बारे में मेहंदी के माध्यम से सुंदर डिजाइन बनाकर उत्साह दिखाया। उक्त प्रतियोगिता में श्रीमती रीता यादव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं सुश्री अंजली खलखो उप संचालक जिला पंचायत, गरियाबंद ने उपस्थित होकर मेहंदी प्रतियोगिता का अवलोकन किया। साथ ही प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। ऐसे ही लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में 16 दिसम्बर को सुशासन पर वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं 20 दिसम्बर को सुशासन पर संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

लिंग अधारित हिंसा जागरूकता अभियान का समापन

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी दीपा शाह के मार्गदर्शन एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी के नेतृत्व में 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक लिंग आधारित हिंसा समाप्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। 16 दिवसीय जागरूकता अभियान का 10 दिसम्बर को ग्राम-पिपरछेड़ी के शासकीय हायर सेकेण्ड्री स्कूल में सफलतापूर्वक कार्यक्रम का समापन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विधिक सह परिविक्षा अधिकारी शरदचंद निषाद द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 एवं 3 नए कानून के बारे मे जानकारी देते हुए महत्वपुर्ण मुद्दों जैसे- बाल विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, पॉक्सों एक्ट, के सम्बंध में विस्तार से बताया गया एवं महिला सशक्तिकरण केन्द्र से श्रीमती श्वेता शुक्ला द्वारा महिला सशक्तिकरण केन्द्र, सखी वन स्टॉप सेन्टर, नवाबिहान योजना, बेटी बचाओं बेटी बढ़ाओं, महिला हेल्प लाइन 181, महिला उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक शिकायत पोर्टल (शी बॉक्स), साइबर काइम, गुड टच बैड टच, स्पॉसरशीप योजना के बारे में जानकरी दी गई इसके साथ ही चाइल्ड लाइन समन्वयक श्री तुलेश्वर साहु द्वारा बताया गया कि अगर कोई भी बच्चा शून्य से 18 वर्ष के उम्र का शोषित, असहाय, लाचार, एवं गुमशुदा होना पाये जाता है, तो ऐसे बच्चों को सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु निःशुल्क चाईल्ड हेल्प लाईन नम्बर 1098 में कॉल कर सकते हैं। इसके आगे के कम में लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं को खेल एवं रंगोली प्रतियोगिता कराया गया जिसमें बच्चों को प्रोत्साहित करते हुये पुरुस्कार वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकगण, प्राचार्य एवं जिला मिशन समन्वयक मनीषा वर्मा, जेण्डर विशेषज्ञ श्रीमती अॅजली नाविक, पदमनी दीवान, वित्तीय साक्षरता अर्चना सिंह, केसवर्कर सुमन तिवारी, समाजिक कार्यकर्ता गोपाल सिंह कंबर, सुपरवाईजर धनीराम बरेठ, नंदनी साहू, आउटरीच वर्कर स्नेहलता शुक्ला, अजीत शुक्ला, सोनाली ध्रुव शामिल रहे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सुशासन के एक वर्ष की उपलब्धियों को किया साझा

''सेवा ही सर्वोपरि'' छत्तीसगढ़ शासन का मूल मंत्र :- मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन के एक वर्ष का पूरा होने पर आज जिला कार्यालय में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रेसवार्ता लेकर विष्णुदेव साय सरकार की विभिन्न योजनाओं की सिलसिरेवार उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा ''सेवा ही सर्वोपरि'' छत्तीसगढ़ शासन का मूल मंत्र है जिसका अनुसरण करते हुए राज्य सरकार ने 01 वर्ष पूर्ण कर लिया है। उन्होंने प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को साझा किया और बताया कि कैसे एक साल में राज्य ने विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सुशासन की स्थापना के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की, पारदर्शिता को बढ़ावा दिया और प्रशासनिक सुधारों के जरिए जनता तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने की दिशा में काम किया। इस अवसर पर पूर्व गृह मंत्री श्री रामसेवक पैकरा, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री मुरली मनोहर सोनी, श्री शशिकान्त गर्ग श्री संदीप अग्रवाल, श्री बसन्त कुशवाहा, श्री राजेश्वर तिवारी, श्री अरविन्द मिश्रा, श्री शिव शंकर साहू, पत्रकार बंधु, कलेक्टर श्री एस जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री ने बताया कि 13 दिसम्बर को हमारी सरकार का पहला साल पूरा हो गया है। हमारा यह पहला साल आप सभी की सहभागिता और विश्वास के साथ विकास के लिए समर्पित रहा। बीते 12 महीनों में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश ने विकास के अनेक नये आयाम स्थापित किए हैं। इनमें से कुछ आप लोगों के साथ साझा कर रही हूं। इस एक साल में हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम किया और उपलब्धियां हासिल की, हमारी प्राथमिकता में वे लोग रहे जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश के नागरिकों से वादा किया था कि सरकार बनने के बाद हम प्रदेश में सुशासन की स्थापना करेंगे। भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करेंगे। आप लोगों ने देखा कि सरकार बनते ही हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ किस तरह तत्परता के साथ कार्यवाही की। जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त पाए जा रहे हैं, उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

सुशासन की स्थापना के लिए हम तकनीक का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। सुशासन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमारी सरकार ने सुशासन एवं अभिसरण नाम से नया विभाग बनाया है। हमारा प्रयास है कि आम नागरिकों को छोटे छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। एक क्लिक में अथवा एक फोन कॉल में उनके काम हो जाने चाहिए। विधानसभा चुनाव के दौरान हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रदेश के लोगों को जो गारंटियां दी थी, उनमें से अधिकांश गारंटियों को हमारी सरकार ने एक वर्ष की अल्प अवधि में ही पूरा कर दिया है।

मोदी जी की गारंटियां पूरी की- मंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने किसानों से किया गया वादा पूरा करते हुए 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की रिकॉर्ड खरीदी की। हमारी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक किसान भाई-बहनों को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए का अंतरण भी किया। प्रदेश की माताओं-बहनों से किए गए वादे को पूरा करते हुए तीन माह के भीतर ही महतारी वंदन योजना शुरू की गई। इसका लाभ 70 लाख माताओं-बहनों को मिल रहा है। अब तक इस योजना की 10 किश्तों में 6530 करोड़ रुपए अंतरित किए जा चुके हैं। जरूरतमंद परिवारों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने के लिए सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया। इस निर्णय पर तेजी से अमल करते हुए आवासों के निर्माण के लिए बड़ी राशि भी जारी की गई। हमारी सरकार ने प्रदेश के 68 लाख गरीब परिवारों को पांच साल तक मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की। लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन बहाल करने के साथ-साथ पांच साल के एरियर्स का भुगतान भी किया। इस तरह हमारी सरकार ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अधिकांश गारंटियों को एक साल के भीतर ही पूरा कर दिया है।

अंत्योदय के लक्ष्य की ओर- मंत्री ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के संदेश के अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने के लिए लगातार काम किया है। हमारी सरकार ने राज्य के जनजातीय समाज के गौरव को फिर से ऊंचाई पर स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। उनकी आय और रोजगार में वृद्धि के लिए अनेक कदम उठाए गए। तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 4 हजार रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए मानक बोरा कर दी गई।

जनजातीय क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास- मंत्री ने बताया कि जनजातीय क्षेत्रों में सड़क व अन्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। अम्बिकापुर के हवाई अड्डे से भी अब हवाई सेवा की शुरुआत हो गई है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए गठित प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व को और मजबूत किया गया है। साथ ही छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद का गठन भी किया गया है।

जनजातीय समाज का गौरव बढ़ा- जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राज्य के बैगा, गुनिया, सिरहा को सालाना पांच-पांच हजार रुपए की सम्मान निधि दी जाएगी । जनजातीय गांवों में अखरा निर्माण विकास योजना शुरू की गई है। जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा नायकों की स्थान-स्थान पर प्रतिमाएं लगाने का निर्णय भी लिया गया है।

पर्यटन से जनकल्याण- बस्तर में पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। यह बड़ी उपलब्धि है कि कांगेर घाटी के गांव धुड़मारास ने अब विश्व पर्यटन के नक्शे पर जगह बना ली है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने इस गांव में पर्यटन के विकास के लिए इसे दुनिया के चुनिंदा 20 गांवों में शामिल किया है। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के गठन से भी राज्य में पर्यटन के विकास की संभावनाओं को बल मिला है। राज्य में पांच शक्तिपीठों का विकास किया जा रहा है। इसके लिए चार धाम की तर्ज पर एक हजार किलोमीटर की परियोजना शुरू की जा रही है। छत्तीसगढ़ के साथ भगवान राम का गहरा नाता है। वे हमारे भांजे हैं। उन्होंने वनवास के 14 सालों में से 10 साल यहीं गुजारे। हमारी सरकार की कोशिश है कि दुनिया भगवान श्रीराम से हमारे इस रिश्ते को जानें। प्रदेश में श्री रामलला दर्शन योजना शुरू करके हमने यहां के श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की, ताकि भगवान राम से अपने रिश्ते को और सघन कर सकें। हम मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना भी शुरू कर रहे हैं। हमने राजिम कुंभ कल्प का वैभव फिर से लौटाया है।

रोजगारपरक नयी उद्योग नीति- हमारी नई उद्योग नीति से राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में भी विकास की नई संभावनाओं का सृजन हुआ है। यह नीति प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। हमने इस नीति को रोजगार परक बनाया है। नई उद्योग नीति में युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसमें पर्यटन को भी उद्योग के रूप में शामिल किया गया है। साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को भी रियायत देने का विशेष प्रावधान है। राज्य में एमएसएमई को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए एमएसएमई मंत्रालय बनाने की घोषणा कर दी गई है। नयी उद्योग नीति में अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला उद्यमियों, सेवानिवृत्त अग्निवीर, भूतपूर्व सैनिकों, नक्सल प्रभावित, आत्म- समर्पित नक्सलियों एवं तृतीय लिंग के उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन दिये जाने का प्रावधान है।

सुशासन का वादा निभाया- हमने वादा किया था कि हम राज्य में सुशासन स्थापित करेंगे। इसके लिए तकनीक का प्रयोग करते हुए शासन-प्रशासन को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में हमें अच्छी कामयाबी मिली है। भ्रष्टाचार के मामले में हमने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन के सपने को हम लगातार साकार कर रहे हैं।

राज्य में गुड गवर्नेंस स्थापित करने के लिए शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की रियल टाइम मॉनिटरिंग अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। सीएमओ पोर्टल के माध्यम से कोई भी नागरिक शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों, नीतियों और उपलब्धियों की ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकता है। नागरिकगण मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों से सहजता से मुलाकात कर सकें इसके लिए मंत्रालय में प्रवेश के लिए स्वागतम पोर्टल और घर बैठे रजिस्ट्री के लिए सुगम एप शुरू किया गया है। राज्य के कार्यालयों में कामकाज में तेजी और सटीकता लाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली शुरू की गई है। खनिजों के ऑनलाइन ट्रांजिट पास की व्यवस्था की गई है। जेम पोर्टल के माध्यम से शासकीय खरीदी और सेवाएं प्राप्त करने को अनिवार्य किया गया है। पुराणों में जिसे राम-राज कहा गया है, उसे ही हम सुशासन कहते हैं।

नक्सलवाद का सफाया, दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचा लोकतंत्र- पिछले एक वर्ष के दौरान प्रदेश में नक्सलवाद का तेजी से उन्मूलन किया गया है। सरकार ने दो साल में छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया करने का संकल्प लिया है। बीते एक वर्ष में 213 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। करीब 1750 नक्सलियों को या तो आत्मसमर्पण करने पर मजबूर किया गया है, या फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। हमारी एक बड़ी कामयाबी यह भी है कि हम नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से बस्तर के अंदरूनी गांव तक लोकतंत्र और विकास की किरणों को पहुंचाने में सफल हुए। हमने नक्सल क्षेत्रों में बंद पड़े स्कूलों को फिर से शुरू कराया है। बस्तर में बस्तर ओलंपिक का आयोजन करके हमने वहां के युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा है। माओवादी आतंक पीड़ित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण तथा शेष जिलों के विद्यार्थियों को एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देने का निर्णय लिया गया है।

शिक्षा की नयी अलख जगाई है- राज्य में नई शिक्षा नीति लागू करके शिक्षा को रोजगार परक बनाया है। राज्य की प्रतिभाओं को निखारने के लिए रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश की 13 नगरीय निकायों में हाईटेक लाइब्रेरियों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। अपने वादे के मुताबिक हमने सीजीपीएससी परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाया है। पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं हुई और उनके परिणाम घोषित हुए। इससे राज्य की प्रतिभाओं का विश्वास सीजी पीएससी पर लौट आया है। नवा रायपुर को हम आईटी हब के रूप में विकसित कर रहे हैं। रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमी कॉरिडोर का निर्माण तेजी से हो रहा है। इससे नवा रायपुर और भी तेजी से विकसित होगा। सिम्स बिलासपुर में 200 करोड़ रुपए की लागत से भवन विस्तार का कार्य किया गया है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री जी ने किया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल रायपुर में भी भवन विस्तार और सुविधाओं का विकास तेजी से किया जा रहा है। राज्य में चार मेडिकल कॉलेजों के भवनों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, मनेन्द्रगढ़ और गीदम मेडिकल कॉलेजों की निर्माण के लिए 1020 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

केंद्र का साथ, सहयोग और मार्गदर्शन बनी ताकत- प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने से एक साल में राज्य ने बहुत तेजी से प्रगति की है। केन्द्र से हमें भरपूर सहयोग और समर्थन मिला है। इस दौरान 31 हजार करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाएं छत्तीसगढ़ के लिए स्वीकृत की गई है। दो सालों में छत्तीसगढ़ में सड़कों का मजबूत नेटवर्क होगा। साथ ही रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हमें केन्द्र से अनेक महत्वपूर्ण रेल लाइनों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष है। हमने इस खास वर्ष में खास उपलब्धियां हासिल करने के लिए खास तैयारियां शुरू कर दी हैं।

01 नवंबर 2025 को जब हम प्रदेश स्थापना की रजत जयंती मनाएंगे, तब हम नयी उपलब्धियों का जश्न मनाएंगे।

हमने वर्ष 2028 तक प्रदेश की जीएसडीपी को दस लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। हमारे विकास और विश्वास की इस यात्रा में आप हमेशा साक्षी और सहभागी रहे हैं।

न्यौता भोजन में बच्चों ने स्वादिष्ट गुड़ चिक्की, गुजिया एवं भोजन का लिया जायका

न्यौता भोजन में बच्चों में छलका उमंग एवं उत्साह

ग्राम रीवागहन के शासकीय प्राथमिक शाला में न्यौता भोजन का किया गया अनूठा आयोजन

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। न्यौता भोजन के तहत बच्चों को स्कूलों में परम्परागत स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन दिए जा रहे हैं। शासन की इस अनोखी योजना के तहत जिले के स्कूलों में न्यौता भोजन का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है। राजनांदगांव विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला रीवागहन में न्यौता भोजन के अवसर पर बच्चों में उमंग एवं उल्लास रहा। बच्चों को परोसा गया स्वादिष्ट गुड़ चिक्की, गुजिया, फल एवं दाल, चावल व सब्जी। भोजन करने से पहले बच्चों ने हैंडवाश किया और अपने साफ-सुथरे हुए हाथ दिखाए। इस अवसर पर बच्चों ने स्वादिष्ट व्यंजनों एवं भोजन का जायका लिया। पढ़ाई के साथ ही रूचिकर भोजन मिलने से बच्चों में स्कूल आने के लिए खुशी है। शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा जन्मदिन, पर्व एवं विभिन्न अवसरों पर न्यौता भोजन का आयोजन कराया जा रहा है। शाला प्रबंधन समिति के सदस्य श्री मणिराम यादव ने बताया कि स्कूल में बच्चों को न्यौता भोजन के अंतर्गत सामुदायिक भागीदारी से पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है, ताकि उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बच्चों को पौष्टिक भोजन के लिए जनसहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिससे अभिभावकों एवं समाज में बच्चों एवं स्कूल के प्रति जिम्मेदारी की भावना का विकास हो रहा है। उल्लेखनीय है कि न्योता भोजन की अवधारणा एक सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। समुदाय के सदस्य ऐसे अवसरों व त्यौहारों पर अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान कर सकते हैं। यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन या तो पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं या अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में मिठाई, नमकीन, फल या अंकुरित अनाज के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान दे सकते हैं। न्योता भोजन, स्कूल में दिए जाने वाले मिड-डे मील का विकल्प नहीं है, बल्कि यह इसके अतिरिक्त है। दान दाताओं को न्योता भोजन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, रविवार 15 दिसम्बर 2024

खुशहाल एक साल इवेंट 15 दिसंबर रविवार को मैग्नेटो मॉल में शाम 4 बजे से

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर शासन की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति नागरिकों को जागरूक करने जनसंपर्क विभाग द्वारा मैग्नेटो मॉल रायपुर में 15 दिसंबर रविवार को खुशहाल एक साल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे से 7 बजे तक होगा जिसमें विभिन्न तरह की मनोरंजक गतिविधियों और गेम्स का आयोजन भी होगा। इसमें प्रत्येक आयु वर्ग के लोग भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में पूछे गए रोचक प्रश्नों का सही उत्तर देने पर तत्काल गिफ्ट वाउचर मौक़े पर ही दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चेम्बर कार्यकारिणी समिति की बैठक 17 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे चेम्बर भवन में

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन मंगलवार, दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को दोपहर 12 बजे चेम्बर कार्यालय, चै. देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में आयोजित है। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने प्रदेश के समस्त कार्यकारिणी सदस्यों से अपील की है कि वे बैठक में समय पर अवश्य ही उपस्थित होवें।

ड्रोन वर्कशॉप और फोटोग्राफी प्रतियोगिता के साथ कलिंगा विश्वविद्यालय में मीडिया फेस्ट-2024 का समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय के कला और मानविकी संकाय के अंतर्गत पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने मीडिया फेस्ट 2024 आयोजित की। इसमें ड्रोन कैमरा ट्रेनिंग वर्कशॉप और फोटोग्राफी प्रतियोगिता शामिल थे। रीलॉन एयर प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक श्री अभिनंदन तिवारी, श्री पलाश जोशी और श्री राजेश कुमार ने स्टूडेंट्स को ड्रोन कैमरा ऑपरेशन की ट्रेनिंग देते हुए बताया कि वे नक्सल ऑपरेशन, नेशनल हाइवे, वंदेभारत प्रोजेक्ट्स और फॉरेस्ट्री के कई प्रोजेक्ट्स में काम कर रहे हैं। ड्रोन कैमरा के क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं हैं।

स्टोरी टेलिंग और पैटर्न थीम पर आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सुश्री अंशिका सिंघल विनर रहीं, सुश्री गरिमा अग्रवाल फर्स्ट रनरअप और सुश्री प्रशंसा पटेल सेकंड रनरअप रहीं।

कार्यशाला का उद्घाटन कला एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता डॉ. शिल्पी भट्टाचार्य ने किया तथा समापन सत्र की अध्यक्षता कुलानुशासक डॉ. ए विजयानंद ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. योगेश वैष्णव, डॉ. सुनील टाइगर, सुश्री तुहिना चौबे एवं श्री खुशवंत डांगी ने बताया कि कार्यशाला में 35 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में मधुरम मीडिया संवाद का आयोजन किया गया

मधुरम मीडिया संवाद, मीडिया एवं रेल के बीच एक दूसरे को समझने और एक-दूसरे से रूबरू होने का एक अच्छा अवसर : मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में दिनांक 13 दिसम्बर 2024 को पहली बार मधुरम मीडिया संवाद का आयोजन किया गया। इस मधुरम मीडिया संवाद मे मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार जी उपस्थित रहे। इस मधुरम मीडिया संवाद में सर्वप्रथम सभी अतिथि गणों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई।

सर्वप्रथम मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री राकेश सिंह द्वारा स्वागत भाषण में कहा कि - शाखा अधिकारी एवं आदरणीय मीडिया के सदस्यों, मधुरम मीडिया संवाद कार्यक्रम में आप सब का स्वागत है। मीडिया लोकतंत्र को मजबूत करने और जनता के अधिकारों की रक्षा करने में चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करता है, हमें विश्वास है कि चौथा स्तंभ के रूप में मीडिया रेलवे के विकास के लिए और रायपुर मंडल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे इसी विश्वास के साथ आप सबका इस कार्यक्रम में हार्दिक स्वागत है।

इसके पश्चात वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी जी द्वारा रायपुर रेल मंडल की उपलब्धियो पर स्लाइड के माध्यम से मीडिया को अवगत कराया गया है कि रायपुर रेल मंडल आज किस ऊंचाई पर पहुंच चुका है और यहां बेहतर से बेहतर सेवा यात्रियों को दी जा रही है और आगे और भी अच्छी दी जाएगी एवं छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क बहुत ही तेजी से चारों तरफ बढ़ रहा है।

उन्होंने सभी संपादकों एवं मीडिया सदस्यों से यह भी अवगत कराया की किस तरह रेल यात्रा के समय ट्रेन में सफर के दौरान खराब खाना, कुछ टॉयलेट में गंदगी, पानी का अभाव, खराब मोबाइल चार्जिंग, गंदा बेड रोल, खराब लाइट संबंधित शिकायतो, मेडिकल से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जा रहा हैं।

दोषी स्टाल संचालकों पर अधिक से अधिक जुर्माना, वहीं ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग वह अन्य रेल ठेकेदारों पर अधिक से अधिक आर्थिक दंड लगाया गया है रेल यात्रियों की सेवा में सुधार के लिए रेल मदद पर दर्ज होने वाली शिकायतों की निगरानी निवारण सहित संबंधित अधिकारी ठेकेदार पर कार्रवाई करने की हिदायत दी है। इसके तहत कंट्रोल रूम से अधिकारियों की टीम सोशल मीडिया, रेल मदद ऑनलाइन 139 पर होने वाले शिकायतों को 24 घंटे निगरानी कर रहा है। यात्रियों को ताज़ा अच्छा, गरम खाना मिले इसके लिए हर 100 से 150 किलोमीटर के बीच बेस किचन की शुरुआत की जा रही हैं।

इस मधुरम मीडिया संवाद में रेल कर्मियों एवं मीडिया सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत का आनंद लिया। मीडिया सदस्यों से संवाद के दौरान रायपुर मंडल के रेल परिचालन पर प्रश्नोत्तरी भी किया गया। जिसमें उन्होंने रायपुर रेल मंडल में रेल के बेहतर सेवा के लिए क्या-क्या सुधार किया जा सके और उन्होंने अपनी समस्याओं को बताया जो की एक निजी यात्रा के दौरान भी उन्होंने महसूस किया और उस समस्या को प्रशासन के सामने रखा कि इसका निराकरण किस तरह से किया जा सके।

मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री संजीव कुमार जी ने अपने संबोधन में कहा कि मधुरम मीडिया संवाद है जिसके आधार पर मीडिया एवं रेल के बीच एक दूसरे को समझने और एक दूसरे से रूबरू होने का एक अच्छा अवसर हैं, इसके माध्यम से रायपुर मंडल मे हो रहे अच्छे कार्यो की समीक्षा की जाती है एवं साथ ही और बेहतर करने हेतु प्रकाश डाला जाता है।

इसी कड़ी मे मंडल रेल प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी ने मधुरम मीडिया संवाद में आयोजित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में संपादकों एवं मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए सवालों का बहुत ही सरलता से उनका उत्तर दिया जिसमें टॉयलेट स्वच्छता, यूपीआई पेमेंट, स्टाल में संबंधित खान-पान, ट्रेनों में हो रहे भीड़, ट्रेनों की रफ्तार, एक ट्रेन से दूसरे ट्रेन की कनेक्टिविटी, सीटों की समस्या वेटिंग लिस्ट ज्यादा से ज्यादा कंफर्म हो, कुंभ मेला के लिए स्पेशल ट्रेन शामिल रहें। इस प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में मॉडरेट (मध्यस्थ) की भूमिका के रूप में रमेश जायभाये उपनिदेशक पीआईबी रायपुर रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में मधुरम मीडिया संवाद कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार जी, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी, समस्त ब्रांच अधिकारी, वाणिज्य विभाग के मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री राकेश सिंह, सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) श्री अविनाश कुमार आनंद सहायक वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स) अरबिंद कुमार साव, वरिष्ठ प्रचारक निरीक्षक संपादक महोदय, मीडिया सदस्य, जनसंपर्क अनुभाग, वाणिज्य विभाग के सभी अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपना बेहतर प्रदर्शन किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में सर्वप्रथम मधुरम मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक के निर्देशन में एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी जी के मार्गदर्शन पर किया गया।

रेलवे अधिकारियों, कर्मचारी एवं मीडिया संपादकों, पत्रकारों द्वारा मिलजुल कर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

छत्तीसगढ़ के शिल्प और लोकनृत्य से सजे गोंडवाना महोत्सव की शुरुआत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्प और बुनकरों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित गोंडवाना महोत्सव शुरू हो चुका है। इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों के शिल्पकार और बुनकरों द्वारा तैयार उत्कृष्ट कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। महोत्सव के दौरान आदिवासी लोक नृत्यों की प्रस्तुति भी होगी। बता मेले आयोजन रायपुर स्थित बीटीआई ग्राउंड में किया गया है। मेले में कश्मीर की स्पेशल पशमीना शाल, सलवार सूट, कश्मीरी एंब्रायडरी साड़ी, पंजाब का फुलकारी, वाराणसी की बनारसी साड़िया व सलवार सूट, ओडिशा की हैंडलूम साड़ियां व बेडशीट्स, लखनऊ का चिकन वर्क, बालाघाट वारासिवनी की ट्रेडिशनल कोसा साड़ियां, चंदेरी व महेश्वरी साड़ियां, बाग दाबू प्रिंट विशेष रुप से एक्सपो का आकर्षण का केंद्र है।यह आयोजन 5 दिसंबर से 22 दिसंबर तक चलेगा। आयोजकों ने इस मेले जानकारी देते हुए कहा की या नाव वर्ष से चलता आरहा है मेला। यह अर्बन मेला है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथों छत्तीसगढ़ पुलिस को मिलेगा राष्ट्रपति पुलिस कलर अवार्ड

24 वर्षों के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस को मिलेगा देश का सर्वोच्च पुलिस सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ पुलिस को अपनी सत्यनिष्ठा, मानवीय गरिमा और पिछले 24 वर्षों के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड के लिए देश के सर्वोच्च पुलिस सम्मान राष्ट्रपति पुलिस कलर अवार्ड से 15 दिसम्बर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक पुलिस परेड ग्राउंड, रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के हाथों सम्मानित किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा छत्तीसगढ़ पुलिस को यह सम्मान मिलना मेरे लिए गर्व का क्षण है। यह मेरे गृहमंत्री के कार्यकाल में हुआ है जिससे मैं और भी गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह पुरस्कार हमारे पुलिस बल के कर्तव्यपरायणता, मेहनत और ईमानदारी का प्रमाण है।

राष्ट्रपति का पुलिस कलर अवार्ड छत्तीसगढ़ पुलिस के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ता है। यह सम्मान न केवल हमारे पुलिस बल के मनोबल को ऊंचा करेगा, बल्कि उनकी कर्तव्यनिष्ठा और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को भी और सशक्त बनाएगा।यह सम्मान केवल पुलिस विभाग का ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का है। मैं छत्तीसगढ़ पुलिस के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद और शुभकामनाएं देता हूं।

अब छत्तीसगढ़ पुलिस के सभी अधिकारी और जवान अपनी वर्दी में इस विशिष्ट निशान को धारण करेंगे, जो उनकी उत्कृष्टता और पहचान का प्रतीक बनेगा। यह उपलब्धि पुलिस के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणा का स्रोत होगी।

स्वदेशी मेला -2024-25 : प्रवीण मैशरी- संयोजक, अमरजीत सिंह छाबड़ा व मनीषा सिंह- सहसंयोजक

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय विपणन विकास केन्द्र द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वदेशी मेला 2024-25 का आयोजन दिनांक 27 दिसंबर 2024 से 03 जनवरी 2025 को साईंस कॉलेज मैदान, में संपन्न होगा। प्रदेश में संपन्न होने वाले प्रतिष्ठित स्वदेशी मेले का लोग वर्षभर इंतजार करते है। जिसमें विविध स्वदेशी वस्तुओं के स्टाल लगते है। सुई से लेकर बड़े मशीनरी स्तर की सभी वस्तुएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होती है। प्रतिदिन विविध प्रतियोगिताएं जिसमे मेंहदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता जैसी अनेकों प्रतियोगिताओं में हजारों प्रतिभावान लोगों को एक मंच दिया जाता है।

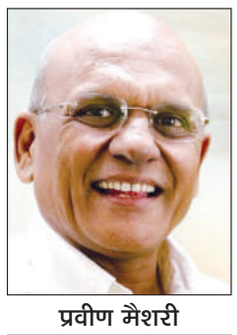
प्रवीण मैशरी

अमरजीत सिंह छाबड़ा

मनीषा सिंह

विभिन्न राज्यों की संस्कृति को प्रस्तुत करने की भी एक अभिनव पहल मेले के आयोजन के दौरान की जाती है जिसमें गुजरात, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, आंध्रा व अन्य राज्यों की प्रस्तुति सांस्कृतिक कार्यक्रम और राज्यों के प्रसिद्ध खान पान के स्टाल लगाए जाते है। लोकनृत्य लोक संस्कृति छत्तीसगढ़ के पारम्परिक कला को मंच पर कलाकार प्रतिदिन प्रस्तुत करते है। स्वदेशी का भाव लिए स्वदेशी को बढ़ावा देने 350 से अधिक विविध स्टाल मेले में सम्मिलित हो रहे। प्रतिदिन समसामयिक विषयों ज्वलंत विषयों विचार संगोष्ठी का आयोजन भी इस दौरान किया जाएगा जिसमें विषय विशेषज्ञ संबंधित विषय पर चर्चा के दौरान उपस्थित रहेंगे। इस हेतु इस वर्ष मेला आयोजन समिति के संयोजक प्रवीण मैशीरी , सहसंयोजक अमरजीत सिंह छाबड़ा एवं श्रीमती मनीषा सिंह को बनाया गया है। प्रतियोगिता प्रभारी और पूरे मेला को व्यवस्थित रूप से संचालित करने हेतु समितियां बनाई गई है जो निम्नानुसार है-

संरक्षक डॉ. राजेन्द्र दुबे,, मोहन पवार, गोपाल कृष्ण अग्रवाल श्रीमती षीला षर्मा, उमेष अग्रवाल, सुषील मालानी, जगदीष पटेल, श्रीमती सुलोचना बंका, श्री अमर बंसल, श्री युगबोध अग्रवाल सहसंयोजक:- अमरजीत सिंह छाबड़ा एवं श्रीमती मनीषा सिंह कार्यक्रम संयोजक:- विनय षर्मा मेला महिला प्रमुख - श्रीमती आरती दुबे मेला महिला सह- प्रमुख डॉ. ईला गुप्ता अतिथि सत्कार:- वर्धमान सुराना डॉ. सलीम राज, आशु चंद्रवंशी विपणन प्रबंधन:- प्रवीण देवड़ा, कन्हैया महतो, अजीत द्विवेदी, ललित जैन सेमीनार प्रभारी:- डॉ. ईला गुप्ता, डॉ. पी. एल चैधरी, रविकांत जायसवाल, दिलीप धनगर मंच व्यवस्था:- सुधीर फौजदार, बिट्टु षर्मा ,बिहारी होतवानी व्यवस्था समन्वयक:- संजय ठाकुर प्रचार-प्रसार विज्ञापन:- इंदिरा जैन, देवेन्द्र गुप्ता, मंजूला जैन, राजीव चक्रवर्ती, सुनील चैधरी सोषल मिडिया:- विषाल धुरा, वंदना सिन्हा कार्यालय प्रमुख चितरंजन ठाकुरश् चिकित्सा व्यवस्था:-डॉ. राकेश मिश्रा, डॉ. आनंद षर्मा प्रांतीय सांस्कृतिक समागम- विवेक बर्धन, श्रीमती भावना टांक, श्रीमती हर्षिला रूपाली, श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती भवानी राव, श्रीमती लक्ष्मी यादव, श्रीमती सीमा कटंकर, श्रीमती उमा शुक्ला, श्रीमती सुमन मुथा, श्रीमती नीलम वर्मा, श्रीमती सुनीता पाठक, श्रीमती कल्पना चाकी, श्रीमती नूतन पातोड़े, श्रीमती धनेश्वरी बंछौर, श्रीमती हर्षिता लांजेवर, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती अर्चना भाकरे, श्रीमती चंद्रकला क्षत्रिय श्रीमती निधि झा, श्रीमती शकुंतला श्रीवास, श्रीमती लता चैधरी, श्रीमती सीमा शर्मा, श्रीमती कमल रंधावा, श्रीमती प्रीति दास मिश्रा, निर्मल सिंह क्षत्रिय, रेहाना खान, सुधीर टांक,शशि यादव, श्रीमती सविता मौर्या, नंदिनी ठाकुर, श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा, श्रीमती शीला प्रजापति, मावजी भाई पटेल, अमित वर्मा, श्रीमती नीलम वर्मा, श्रीमती लक्ष्मी जिलहरे, शिल्पी सोनवानी, अश्विनी प्रभाकर दिग्विजय भाकरे, शंकर त्रिपाठी, नितिन अग्रवाल, सुशील जंभुलकर, राहुल देव पंत ,राजमोहन बाग जयेश पांचाल, जी आर जगत, तृप्ति चैहान, भावेष सेन, नमित साहू, धर्मेंद्र कौशिक।

राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा रहे अभनपुर के शिक्षक हेमन्त कुमार

आरंग (विश्व परिवार)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2024 का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक पहल से विज्ञान भारती के सहयोग से किया जाता है।30 नवंबर से 3 दिसंबर तक (NIF) एवं राज्य सरकार आसाम के द्वारा आईआईटी गुवाहाटी में IISF 2024 का आयोजन हुआ।

जिसमें छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के अभनपुर ब्लॉक के शिक्षक हेमन्त कुमार साहू का चयन आईआईएसएफ के लिए हुआ। जिसके तहत् शिक्षक हेमंत साइंस सफारी कार्यक्रम में भाग लेकर प्रस्तुति दिया। ज्ञात हो कि शिक्षक हेमन्त कुमार साहू विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर नए-नए प्रयोग व नवाचारी गतिविधियाँ अपने स्कूल में कराते है। जिसके चलते उनके विद्यालय की छात्राएँ राष्ट्रीय स्तर के अनेक आयोजन में भाग ले चुके है। शिक्षक हेमंत बताते है कि उनके मार्गदर्शन में अभी तक तीन बार राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी भोपाल, छत्तीसगढ़, हरियाणा, एक बार नेशनल चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस अहमदाबाद गुजरात, एक बार किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन बैंगलोर, एक बार पश्चिम भारत विज्ञान मेला, दो बार इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल फरीदाबाद, गुवाहाटी, एक बार आईरिस नेशनल फेयर इस प्रकार 8 बार नेशनल स्तर के लिए तथा अनेक बार राज्य स्तर के विज्ञान वर्किंग मॉडल, प्रोजेक्ट, विज्ञान सेमिनार के लिए चयन हो चुका है। साथ ही इन्स्पायर अवार्ड मानक अंतर्गत प्रतिवर्ष कई आईडिया का चयन होते आ रहा है। जोकि बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने में सहायक सिद्ध हो रही है। शिक्षक के द्वारा अपने अध्यापन में सरल टीएलएम के द्वारा आधुनिक तकनीकी प्रोजेक्ट के माध्यम से भी अध्यापन कार्य कराया जाता है। ऐसे नवाचारी शिक्षक जोकि युवा पीढ़ी के नैतिक मूल्यों, सोच प्रक्रियाओं और अनुशासन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।वे अन्य शिक्षको को प्रेरित कर रहे हैं। शिक्षक हेमन्त कुमार के इस उपलब्धि पर एपीसी समग्र शिक्षा रायपुर अरुण शर्मा, राजेंद्र पांडेय सीईओ अभनपुर, निशा शर्मा इन्स्पायर अवार्ड जिला नोडल, धनेश्वरी साहू विकासखंड शिक्षा अधिकारी अभनपुर, राकेश कुमार साहू बीआरसीसी अभनपुर, नाज़िमा ऐज़ाज़ प्राचार्य सेजेस अभनपुर, भोला राम साहू सीएसी कन्या अभनपुर, पीपला फाउंडेशन आरंग से महेन्द्र कुमार पटेल आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2024 के अवसर पर रायपुर मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार की अध्यक्षता में ऊर्जा संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। बेहतर भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने के उद्देश्य से पूरे राष्ट्र में प्रत्येक वर्ष 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में प्रतिवर्ष कि तरह इस वर्ष भी 08 दिसंबर 2024 से 14 दिसंबर 2024 तक विद्युत ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विद्युत (सामान्य) विभाग द्वारा रायपुर मंडल के सभी स्टेशनो, प्रशासनिक भवनो, कार्यालयो में विद्युत ऊर्जा स्लोगन, विद्युत बचत जागरूकता हेतु पोस्टर एवं नुक्कड नाटक तथा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

इसी संदर्भ में राष्ट्रीय विद्युत ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2024 के अवसर पर दिनांक: 13.12.2024 को रायपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक रायपुर कार्यालय परिसर में एक सेमिनार आयोजित किया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री संजीव कुमार ने की। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक महोदय (श्री बजरंग अग्रवाल), वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य (श्री महावीर कुमार जैन), वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण (श्री प्रतीक मिश्रा), वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी (श्री सुरेश चंद्रा), वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय (श्री अनिल कुमार पांडे), प्राजेक्ट कोर्डिनेटर/क्रेडा (डां प्रियंका पचौरी मिश्रा) सहित विद्युत विभाग के पर्यवेक्षक एवं कर्मचरीगण शामिल हुए। इस अवसर पर विद्युत सामग्रीयो कि प्रदर्शनी एवं विभागीय प्रशन्नोतरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सेमिनार में वरि.मंडल विद्युत अभियंता/आर.एस.-जी/रायपुर श्री महावीर कुमार जैन द्वारा पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण की दिशा में मंडल द्वारा किये जा रहे प्रयासो के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई एवं कहा की छोटे-छोटे प्रयासो से-जैसे बिजली के उपकरणों को उपयोग के बाद बंद करना तथा ऊर्जा कुशल उपकरणों का उपयोग करना, हमारे ऊर्जा स्रोतों को बचाने में बड़ा योगदान दे सकते हैं। साथ ही हर घर और संगठन को ऊर्जा ऑडिट जैसे कदम उठाने चाहिए ताकि ऊर्जा की अनावश्यक खपत को रोका जा सके।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने कहा कि हम दैनिक जीवन में नियोजित तरीके से छोटे-छोटे माध्यमो से कार्यालयो तथा घरो में आवश्यकतानुसार लाइट व पंखो का प्रयोग कार्यालय छोडने के आधे घंटे पहले एसी बंद करने जैसे छोटे-छोटे उपायो से भी हम अत्यधिक मात्रा में उर्जा बचा सकते है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा के सीमित स्रोतों का संरक्षण न केवल हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है। आइए इस दिन को प्रेरणा के रूप में लेकर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाएं।

प्राजेक्ट कोर्डिनेटर/ CREDA डॉ. प्रियंका पचौरी मिश्रा ने कहा ऊर्जा संरक्षण के माध्यम से न केवल पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है बल्कि देश की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बनाया जा सकता है। ऊर्जा की बचत से राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा खपत की मांग को कम किया जा सकता है जिससे आयातित ऊर्जा पर निर्भरता घटती है तथा दैनिक जीवन में छोटे×छोटे बदलाव जैसे प्राकृतिक रोशनी का उपयोग करना और अधिक पौधे लगाना ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा दे सकते हैं।

सप्ताह के दौरान मंडल के सभी कर्मचारियो एवं अधिकारियो से उर्जा संरक्षण के तहत उर्जा बचत करने कि आदत डालने की अपील की गई ताकि रेलवे द्वारा बचाई गई उर्जा देश हित में काम आ सके। इस अवसर पर उपस्थित विभागीय अधिकारीयो, कर्मचारियो द्वारा विद्युत ऊर्जा संरक्षित करने हेतु प्रण लिया गया। राष्ट्रीय विद्युत ऊर्जा संरक्षण सप्ताह में विद्युत ऊर्जा बचाने के सामान्य अनुदेश] बचत के तरीके एवं दिन के समय सूर्य के प्रकाश का उपयोग करने तथा जरूरत न हो तो लाइट, पंखे बंद करने एवं एसी का उपयोग 24 oC से 25 oC मे करने का सुझाव दिया गया तथा अधिक से अधिक एर्ल. इ. डी. बल्ब, BLDC पंखो एवं सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

रेल प्रशासन आम नागरिको से भी आग्रह करता है कि उर्जा संरक्षण देश एवं उज्जवल भविष्य के लिए अत्यावश्यक है इसलिए घरो एवं कार्यस्थलो पर उर्जा बचत कर देश की प्रगति में अपनी भगीदारी सुनिश्चित करें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354